www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 318 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
13 फरवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:45
सूर्यास्तः 05:56
अधिकतमः 26°00
न्यूनतमः 11°00

पेज 07

विशेष समाचार
लोकसभा अध्यक्ष की... >> पेज 04
अलीगढ़ में दामाद से शादी ... >> पेज 06
राजपाल यादव चेक बाउंस ...

यूपी विधानमंडल में बजट सत्र का चौथा दिन

बोले- आगे कब बोल पाऊंगा, पता नहीं, सपा विधायक से खन्ना बोले- मंत्रीजी से कुश्ती लड़ लो

विधानसभा में पहली बार बोलने का मौका मिला : अब्बास अंसारी

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी विधानमंडल में बजट सत्र का आज चौथा दिन है। मऊ विधानसभा के विधायक अब्बास अंसारी 4 साल में पहली बार विधानसभा में बोले। उन्होंने अपने क्षेत्र की समस्याओं को उठाया। आखिर में स्पीकर ने कहा कि टाइम खत्म हो रहा, तब अब्बास ने कहा- 4 साल में पहली बार बोल रहा हूं, आगे का पता नहीं कि कब तक बोल पाऊं, इसलिए थोड़ी देर सुन लिया जाए।

उधर, सपा विधायक कमाल अख्तर ने कहा, जैसे एक अच्छा डॉक्टर अच्छा स्वास्थ्य मंत्री हो सकता है, ठीक उसी तरह से एक खिलाड़ी अच्छा स्पोर्टस मिनिस्टर हो सकता है। अभी जो मंत्री जी हैं, उन्होंने कभी गिल्ली डंडा तो खेला नहीं है। >> (शेष पेज 06 पर)

उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा, "आज सदन में चर्चा होगी ,सीएम योगी आदित्यनाथ भी आज बोलेंगे। वे (समाजवादी पार्टी) कुछ भी पढ़ने से पहले ही अपनी राय देने को तैयार हैं। हमने पक्का किया है कि बजट समाज के हर वर्ग के लिए हो, लेकिन वे यह समझ नहीं पा रहे हैं"

4 साल बाद विधानसभा में बोले अब्बास

बजट सत्र के दौरान मऊ के विधायक अब्बास अंसारी ने विधायक बनने के बाद पहली बार विधानसभा में अपनी बात रखी। अब्बास ने अपने क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर बात की। अब्बास ने कहा, मऊ विधानसभा से दो राष्ट्रीय राजमार्ग निकलते हैं, लेकिन हमारे यहां कोई ट्रामा सेंटर नहीं है। मैं चाहता हूं कि हमारे यहां ट्रॉमा सेंटर बनाया जाए। हमारे यहां बुनकर बाहुल्य क्षेत्र है, बड़ी मशीनों के साथ काम करते हैं, कई बार चोट लगती है और इलाज नहीं मिलने से मौत हो जाती है। मऊ जिला हॉस्पिटल में ऑक्सीजन प्लांट नहीं है। >> (शेष पेज 06 पर)

सपा ने ट्रांस जेंडर का मुद्दा उठाया, मंत्री आसीम अरुण ने जवाब दिया

सपा विधायक इंजीनियर सचिन यादव ने ट्रांस जेंडर का मुद्दा उठाया और कहा कि उन्हें उचित सम्मान और हक नहीं दिया। प्रदेश में एक लाख से अधिक ट्रांस जेंडर है लेकिन कार्ड केवल एक हजार ट्रांस जेंडर के बनाए हुए है, गरिमा गृह नहीं बनाए जा रहे हैं। शिक्षा और रोजगार में उनकी भागीदारी बहुत कम है।

समाज कल्याण मंत्री आसीम अरुण ने सवालों का जवाब देते हुए कहा- हमने ट्रांसजेंडर के लिए बहुत सारा काम किया है। इसका फायदा यह हुआ कि वह स्कूलों में जाने लगे। हमने ट्रांसजेंडर के लिए पुलिस सेल बनाया है, जहां उनकी बात सुनी जाए। हम आगे चलकर ट्रांसजेंडर महोत्सव शुरू करवाने वाले हैं। विपक्ष तो लगातार उनका मजाक बनाता था।

ब्रजेश पाठक भड़के, बोले- सपा ने बिल्डिंग बनाकर कुकर्म किए

सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने कहा कि 2016 में कन्नौज में मेडिकल कॉलेज बनाया गया था, लेकिन सरकार मेडिकल कॉलेज के साथ दोहरा व्यवहार कर रही है। कैंसर और हार्ट के मरीजों को दूसरी जगह जाना पड़ रहा है। जब इतनी बिल्डिंग बन गई है, तो सरकार मेडिकल कॉलेज क्यों नहीं चला रही है। >> (शेष 06 पर)

बजट सत्र के दौरान विधानसभा जाते हुए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- यह देश राम भक्तों का है श्री कृष्ण भगवान, शिव भक्तों का है बाबर के भक्तों का नहीं है मस्जिद बनाने का विरोध नहीं है लेकिन बाबर के नाम पर मस्जिद बनेगी तो विरोध होगा।"

रिमांड की वजह नहीं बता पाई पुलिस, घटना के 4 दिन बाद गिरफ्तार किया था

लेंबोर्गिनी कांड का अरबपति बेटा छूटा

बेल

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में तेज रफ्तार लेम्बोर्गिनी से 6 लोगों को टक्कर मारने वाले अरबपति कारोबारी का बेटा 7 घंटे में ही रिहा हो गया। आरोपी के वकील अनंत शर्मा ने बताया- पुलिस ने कोर्ट में 14 दिन की रिमांड मांगी थी।

जज ने पूछा कि रिमांड क्यों चाहिए, जबकि सारी धाराएं जमानती हैं? इस पर इन्वेस्टिगेशन अफसर कोई ठोस जवाब नहीं दे पाए। इसके चलते कोर्ट ने रिमांड की अर्जी खारिज कर दी। फिर 20 हजार रुपए का बेल बॉन्ड भरने के बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया।

पुलिस ने शिवम मिश्रा को गुरुवार सुबह 8 बजे घर के सामने से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दावा किया था कि शिवम जांच में सहयोग नहीं कर रहा। गुरुवार को सूचना मिली कि आरोपी एंबुलेंस से भाग रहा है। >> (शेष पेज 06 पर)

तंबाकू कारोबारी ने बेटे को बचाने की कई कोशिशें कीं

तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा ने अपने इकलौते बेटे शिवम को बचाने की तमाम कोशिशें कीं, लेकिन नाकाम रहे। केके मिश्रा ने 8 फरवरी को हादसे के तुरंत बाद पहले बेटे को घटनास्थल से हटवाया। फिर मीडिया से बातचीत में दावा किया कि मेरा बेटा गाड़ी नहीं चला रहा था।

यही नहीं, मामले ने जब तूल पकड़ा तो सीएम योगी ने अफसरों को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद कानपुर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल सामने आए। कहा कि गाड़ी कारोबारी का बेटा शिवम ही चला रहा था। जांच में इसकी पुष्टि हुई। >> (06 पर)

राहुल ने खुद को मूर्ख साबित किया

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने आप को मूर्ख साबित कर लिया है। पुरी ने NDTV को दिए इंटरव्यू में एपस्टीन फाइल्स में अपना नाम आने और विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। हरदीप पुरी ने दावा किया कि जब वे काम से जुड़े मुद्दों पर अमेरिकी फाइनेंसर और बाल यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से मिले थे तो उन्हें असहजता महसूस हुई थी। उन्होंने कहा- मैंने एपस्टीन से मिलने की इच्छा नहीं जताई थी। ये मुलाकातें अरेंज की गई थीं। उन्होंने आगे कहा- दो मुलाकातों से किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मैं इस मामले में बेदाग हूं। उस समय तो मैं सरकार का हिस्सा भी नहीं था। इसलिए राहुल गांधी का यह कहना कि एपस्टीन फाइल्स की वजह से प्रधानमंत्री ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील में सरेंडर कर दिया, बिल्कुल गलत है।

राजस्थान में गर्मी बढ़ी झारखंड बिहार में पारा 10 डिग्री से नीचे
हिमाचल में 42 दिन बाद स्कूल खुले

मौसम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/ भोपाल/ शिमला/ लखनऊ/जयपुर । देश में फरवरी के दूसरे हफ्ते में ही 3 प्रमुख मैदानी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पारा 30 डिग्री का आंकड़ा पार कर चुका है। इससे सर्दी का असर खत्म होने लगा है।

हालांकि दिल्ली, यूपी, बिहार, झारखंड, पंजाब-हरियाणा में तापमान में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। बिहार-झारखंड के कई जिलों में पारा 10 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। इधर, पश्चिमी हिमालय में लगातार दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस यानी पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होंगे। पहला 13 फरवरी और दूसरा 16 फरवरी से। इसके कारण पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम बदल सकता है। हिमाचल प्रदेश में 42 दिन बाद स्कूलों का विंटर वेकेशन खत्म हो गया है। यहां गुरुवार से स्कूल खुल गए हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

जम्मू-कश्मीर में अगले 9 दिन बर्फबारी नहीं

फास्ट न्यूज

चाकू मारकर माता-पिता की हत्या की

बेंगलुरु । बेंगलुरु में 33 साल के सॉफ्टवेयर इंजिनीयर ने चाकू मारकर अपने माता-पिता की हत्या कर दी। घटना बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे की है। आरोपी का नाम रोहन चंद्र भट्ट है। पुलिस के मुताबिक आरोपी रोहन ने स्टार्टअप के लिए माता-पिता से पैसे मांगे थे। मना करने पर उसने दोनों को चाकू से मार डाला।

दावा हमला

यूएन का दावा- दिल्ली ब्लास्ट की जिम्मेदारी जैश ने ली

नई दिल्ली। यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल (UNSC) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली के लाल किले के पास हुए ब्लास्ट की जिम्मेदारी जैश-ए-मोह-म्मद (JeM) ने ली है। 10 नवंबर 2025 को दिल्ली के लाल किले पर एक कार में ब्लास्ट हुआ था जिसमें 15 लोगों की जान गई थी। इसकी जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी कर रही है। एजेंसियों ने इसे व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल बताया था। रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र है। जिसमें कहा गया है कि पहलगाम हमले में शामिल तीनों आतंकी भी मारे जा चुके हैं।

बदरुद्दीन अजमल बोले- कोर्ट हिमंता को चुनाव लड़ने से रोके

मुंबई । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के शूटिंग वीडियो को लेकर AIUDF प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। अजमल ने अदालत से आग्रह किया कि सरमा को चुनाव लड़ने से रोका जाए। वह एक दिन भी अपनी कुर्सी पर बने रहने के योग्य नहीं हैं।

'राहुल गुमराह कर रहे'
भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सदस्यता खत्म करने का नोटिस दिया

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । BJP सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्सटेंसिव मोशन पेश किया है। उन्होंने राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर लाइफ-टाइम बैन लगाने की मांग की है। दुबे ने कहा-सोरोस फाउंडेशन व देश को टुकड़े करने वाले ताक़तों के साथ मिलकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी भारत का विभाजन करना चाहते हैं। मैंने लोकसभा के नियम 352(5) और नियम 353 के तहत

राहुल का जवाब- एफआईआर करें, प्रिविलेज प्रस्ताव लाएं, मैं किसानों के लिए लड़ूंगा

उनकी सदस्यता रद्द करने व भविष्य में चुनाव नहीं लड़ने की पाबंदी का मोशन पेश किया।

इसके जवाब में राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म X पर वीडियो के साथ पोस्ट कर कहा- FIR हो, मुकदमा दर्ज हो या प्रिविलेज प्रस्ताव लाएं। मैं किसानों के लिए लड़ूंगा। >> (शेष पेज 06 पर)

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव नहीं आएगा

मीडिया सूत्रों के मुताबिक, सरकार राहुल के खिलाफ सदन में उनकी स्पीच के खिलाफ विशेषा-धिकार हनन का नोटिस नहीं लाएगी। इस पर प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदीजी ने छाती 56 इंच की नपवाई थी। उनके खिलाफ भी प्रस्ताव आना चाहिए।

जमात से मुकाबला, वोटों की गिनती जारी, हसीना बोलीं- फर्जी चुनाव रद्द हो

बांग्लादेश चुनाव : बीएनपी और एनसीपी ने एक-एक सीट जीती

बांग्लादेश में मतदान केंद्र पर बीएनपी नेता की मौत, पार्टी का दावा-धांधली रोकने की कोशिश कर रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

ढाका, नई दिल्ली। बांग्लादेश में गुरुवार को हुए आम चुनाव के बाद

अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस वोट डालते हुए।

वोटों की गिनती शुरू हो गई है। शुरुआती नतीजे और रुझान आने लगे हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) और नेशनल सिटिजन पार्टी (NCP) ने एक-एक सीट पर जीत हासिल कर ली है। >> (शेष पेज 06 पर)

बीएनपी समर्थित उम्मीदवार ने चुनाव का बहिष्कार किया

कुमिल्ला-4 (देबिद्वार) सीट पर BNP समर्थित और गण अधिकार परिषद के उम्मीदवार ए. जसीम उद्दीन ने मतदान खत्म होने के बाद चुनाव बहिष्कार की घोषणा कर दी। जसीम उद्दीन ने फेसबुक लाइव आकर यह घोषणा की। करीब 2 मिनट 11 सेकंड के लाइव में जसीम उद्दीन ने आरोप लगाया कि बारोशलघर, रसूलपुर, यूसुफपुर, सुबिल, मशिकारा और फतेहपुर यूनियनों में व्यापक गड़बड़ी हुई।

बांग्लादेश में वोटिंग के दौरान झड़पें हुईं

बांग्लादेश में वोटिंग के दौरान कई जगहों पर झड़पें भी हुई। खुलना में एक वोटिंग सेंटर के बाहर जमात-ए-इस्लामी कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में एक BNP नेता मोहिबुज्जमान कोच्चि की मौत हो गई। दूसरी तरफ मुंशीगंज-3 और गोपालगंज सदर इलाके में वोटिंग सेंटर के बाहर देसी बम फेंके गए। गोपालगंज सदर इलाके में धमाके से 3 लोग घायल हो गए थे। बांग्लादेश चुनाव को लेकर भारत ने नतीजों का इंतजार करने के लिए कहा है। >> (शेष पेज 06 पर)

सौदा : फ्रेंच प्रेसिडेंट मैक्रों के भारत आने पर हो सकता है सौदा, 3.25 लाख करोड़ की डिफेंस डील

114 नए राफेल खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने गुरुवार को फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस डील की कीमत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपए बताई जा रही है। अब यह प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) के पास भेजा जाएगा। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के 17-20 फरवरी के 3 दिवसीय भारत दौरे पर सौदा हो सकता है। प्रस्ताव को 16 जनवरी को रक्षा खरीद बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी थी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, नए राफेल विमानों की खरीद से

यह सौदा 'मेक इन इंडिया' के तहत किया जाएगा। डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों को बनाएगी।

एयर डिफेंस और बॉर्डर एरिया में तैनाती की क्षमता मजबूत होगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली कमेटी ने नेवी के लिए 6 अमेरिकी बोइंग P8-I सर्विलांस एयरक्राफ्ट, कॉम्बैट मिसाइलों और एयर-शिप बेस्ड हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट्स के प्रपोजल को भी मंजूरी दी है। >> (शेष पेज 06 पर)

रक्षा बजट के लिए 7.8 लाख करोड़

केंद्रीय बजट 2026-27 में रक्षा मंत्रालय को 7.8 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो कुल बजट का 14.67% है। आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित 2.19 लाख करोड़ रुपए में से 1.85 लाख करोड़ रुपए पूंजीगत खरीद के लिए तय किए गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 24% अधिक है।

मेक इन इंडिया के तहत होगा सौदा

यह सौदा 'मेक इन इंडिया' के तहत किया जाएगा। डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों को बनाएगी। हाल ही में डसॉल्ट ने डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड (DRAL) में अपनी हिस्सेदारी 49% से बढ़ाकर 51% कर ली है। इस जॉइंट वेंचर में अनिल अंबानी की रिलायंस

इन्फ्रास्ट्रक्चर भी भागीदार है। डसॉल्ट सभी 114 राफेल जेट में भारतीय हथियार, मिसाइल और गोला-बारूद को इंटीग्रेट करेगा। साथ ही सुरक्षित डेटा लिंक भी उपलब्ध कराएगा, जिससे विमानों को भारतीय रडार और सेंसर सिस्टम से जोड़ा जा सकेगा। कंपनी एयरफ्रेम निर्माण के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी देगी। >> (शेष पेज 06 पर)

कोडीन कफ सिरप तस्करी में 5.25 करोड़ की प्रॉपर्टी फ्रीज
अग्रवाल ब्रदर्स के मालिक विनोद अग्रवाल पर कार्रवाई

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी में आरोपी अग्रवाल ब्रदर्स के मालिक विनोद अग्रावल की संपत्तियों को फ्रीज करने के लिए वाराणसी की सारनाथ पुलिस कानपुर पहुंची। यहां पर पुलिस ने विनोद अग्रवाल की सिविल लाइंस, जाजमऊ, बिरहाना रोड व देहली सुजानपुर स्थित पांच संपत्तियों को फ्रीज किया है।

इन संपत्तियों की अनुमानित कीमत 5.25 करोड़ रुपए है। इसके अलावा एक बैंक खाते को भी फ्रीज किया गया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि विनोद अग्रवाल द्वारा फर्जी बिलिंग करके कफ सिरप

- दो फर्मों पर की गई फर्जी बिलिंग
- फर्मों में नहीं आया एक भी सिरप

को बार्डर व वेस्ट बंगाल पहुंचाया जा रहा था। इसके अलावा मनी लांड्रिंग की बात भी सामने आई है।

एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना ने बताया कि प्रदेश भर में कोडीन तस्करी को लेकर मुकदमें लिखे जा रहे हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश यादव ने कहा है कि ये 'डील' वो 'डाल' है, जिसको उस पर बैठने वाला ही काट रहा है

भाजपा सरकार ने देश का बाजार विदेशियों को सौंप दिया : अखिलेश

कटाक्ष

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि ये 'डील' वो 'डाल' है, जिसको उस पर बैठने वाला ही काट रहा है। ये डील हमारे देश की सिर्फ़ ख़ेती-मज़दूरी ही नहीं बल्कि हर तरह के पैदावार-उत्पादन, काम-कारोबार और रोज़गार के ख़िलाफ़ है। ये वो अदृष्य ज़ंजीर है जो पैसे के लालच में डूबे बिचौलियों की मानसिकता वाले ख़ुदगर्ज़ भाजपाइयों को दिख नहीं रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश का बाजार विदेशियों को सौंप दिया है। इससे

खेती किसानी और किसानों का बड़े पैमाने पर नुकसान होगा। जब सब कुछ विदेश से आयेगा तो हमारे देश का किसान क्या उगाएगा और क्या बेचेगा? उन्होंने कहा कि किसानों को नुकसान पहुंचा कर देश में कोई सरकार नहीं चल सकती है। किसान और किसानी विरोधी भाजपा सरकार स्पष्ट करे कि विदेशियों के सामने अपने हितों का समर्पण करने की

> श्री यादव ने कहा कि जिन्होंने पहले हमारे लोगों को साक्षात ज़ंजीर में बांधकर भेजा था उन्होंने अब डील का जाल फेंककर भाजपा सरकार को मजबूर कर दिया है। अब भाजपा के वो संगी-साथी कहां भूमिगत हो गये हैं जो स्वदेशी का नारा लगाते थे। आत्मनिर्भरता की जगह भाजपाइयों को 'परनिर्भरता' का नारा अपना लेना चाहिए।

मजबूरी क्या है? उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भूमि अधिग्रहण लाकर खेती-किसानी को हड़पने का षडयंत्र करती है, कभी काले-क़ानूनों से किसानों को मौत के मुंह में ढकेल देती है। भाजपाई सोच बिचौलियों वाली है, वो पैदावार-उत्पादन की जगह बीच में कमीशनख़ोरी से सिर्फ़ अपना पेट भरना जानती है। 'खेती-किसानी' के बीच ही नहीं, 'किसानों' के बीच

व्यापारिक डील के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

समाजवादी पार्टी के सांसदों ने भी आज संसद परिसर में अमेरिका के साथ हो रहे व्यापारिक डील के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी के सभी सांसदों ने एकजुट होकर बैनर-पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया और अमेरिका के साथ हो रही डील का विरोध किया। केन्द्र सरकार के विरोध में नारे लगाये। समाजवादी पार्टी के सांसदों ने कहा कि यूएस डील अत्याचारी है। किसानों पर संकट भारी है।

भी बैठे भाजपाई बिचौलियों का भंडाफोड़ होना चाहिए। किसान कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा। भाजपा जाए तो खेतीबाड़ी बच पाए।

विधानसभा सत्र में कृषि विपणन से जुड़े प्रश्नों का दिया तथ्यात्मक उत्तर

प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के विकास लिए सरकार प्रतिबद्ध : दिनेश प्रताप सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के दौरान प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर किसानों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के हित में कार्य कर रही है।

सदन में प्रश्न पर चर्चा के दौरान मंत्री ने कहा कि पूछे गए प्रश्न का संबंध कृषि विपणन विभाग से था, जबकि कुछ सदस्यों द्वारा विषयांतर करते हुए ड्रिप स्प्रिंकलर जैसी योजनाओं का उल्लेख किया गया, जो अन्य विभाग से संबंधित हैं। उन्होंने आग्रह किया कि सदन में विभागीय विषय-वस्तु के अनुरूप ही

> सरकार राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर किसानों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के हित में कर रही है कार्य

प्रश्न और चर्चा होनी चाहिए, जिससे सार्थक उत्तर दिया जा सके। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि कृषि मंडी परिषद के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सड़कों एवं आधारभूत ढांचे का निर्माण कराया गया है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के 87 विधायकों के क्षेत्रों में भी मंडी परिषद द्वारा विकास कार्य कराए गए हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि योगी सरकार सभी क्षेत्रों की जनता के प्रति समान रूप से संवेदनशील है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ नगर निगम ने सरोज इंस्टीट्यूट को सील किया

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम ने गुरुवार को सुल्तानपुर रोड पर सीलिंग की कार्रवाई की है। सरोज इंस्टीट्यूट की तरफ से नगर निगम का बकाया 46 लाख रुपए जमा नहीं करने पर यह एक्शन हुआ है। नगर निगम के कर अधीक्षक बनारसी दास ने बताया कि लंबे समय से टैक्स जमा करने के लिए इंस्टीट्यूट के साथ में बैठक की गई।

तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार को रौंदा

बख्शी का तालाब । लखनऊ में तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार को रौंद दिया। टक्कर के बाद साइकिल सवार सड़क पर गिर गया और गाड़ी का पिछला पहिया उसके सिर से गुजर गया। इससे भेजा सड़क पर बिथर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना सैरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर 2:45 बजे हुई। मृतक की पहचान सरैंया के रामचंद्र लोधी (82) के रूप में हुई। रामचंद्र साइकिल से IIM रोड स्थित प्लाट पर जा रहे थे। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सैरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

ब्राउन गर्ल कैफे पर छापा, सील किया

लखनऊ । लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में देर रात पुलिस ने ब्राउन गर्ल कैफे पर छापा मारकर कई सामान जब्त करते हुए कैफे सील कर दिया। यहां हुक्का बार भी चल रहा था। कार्रवाई के दौरान 8 हुक्के, 23 फ्लेवर पैकेट, 12 पाइप, 15 चिलम समेत भारी मात्रा में हुक्का सामग्री बरामद की गई। पुलिस ने कैफे को सील कर संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

राजकीय आईटीआई में रोजगार मेले का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत "दिव्यांग-जन रोजगार अभियान 2.0" के तहत गुरुवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में दिव्यांगजन रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्देश्य दिव्यांग अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र की कंपनियों से जोड़ते हुए उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना था।

राज कुमार यादव जिला समन्वयक ने बताया कि रोजगार मेले में 16 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों

> 16 कंपनियों की सहभागिता, 1000 से अधिक रिक्तियों पर हुआ साक्षात्कार

ने प्रतिभाग किया, जिनके द्वारा कुल 1000 से अधिक रिक्त पदों के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया। कार्यक्रम में कुल 105 दिव्यांग अभ्यर्थियों ने भाग लिया। साक्षात्कार प्रक्रिया के उपरांत 23 अभ्यर्थियों का यथास्थान चयन किया गया, जबकि अन्य अभ्यर्थियों को आगे की चयन प्रक्रिया के लिए कंपनियों द्वारा विचाराधीन रखा गया।

लखनऊ में ग्राहकों ने बंद कराई इडइ की ब्रांच

दुबग्गा । लखनऊ में शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्रांच का शटर ग्राहकों ने गिरा दिया। गुरुवार सुबह 25 से अधिक खाताधारक बैंक पहुंचे और अपनी जमा राशि वापस न मिलने पर विरोध प्रदर्शन करने लगे। पुलिस ने उनको समझाया, लेकिन वे शटर बाहर से बंद कर वहीं पर बैठ गए।

पूरा दिन बैंक बंद रहा। ग्राहकों ने बाहर बैठकर नारेबाजी की। दिनभर चली तीखी नोकझोंक और बहस के बाद शाम को हेड ऑफिस से आई महिला कर्मचारियों ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि शुक्रवार को बैंक के सभी उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचेंगे। खाताधारकों की समस्याओं का समाधान करेंगे। महिला कर्मचारियों के आश्वासन के बाद माहौल कुछ शांत हुआ। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि तय समय पर अधिकारी नहीं पहुंचे और धनराशि वापसी को लेकर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन दोबारा शुरू किया जाएगा।

छात्रों ने सेंट्रल हॉल, दर्शक दीर्घा, मीडिया गैलरी तथा विभिन्न समिति कक्षों का अवलोकन किया

सामाजिक उत्थान में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका : सतीश महाना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का भ्रमण कर सदन की कार्यवाही को देखा। इस दौरान विद्यार्थियों को विधानसभा की कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रिया तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका की विस्तृत एवं प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान की गई।

भ्रमण के दौरान छात्रों ने सेंट्रल हॉल, दर्शक दीर्घा, मीडिया गैलरी तथा विभिन्न समिति कक्षों का अवलोकन किया। विधानसभा अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को बताया गया कि किस प्रकार

विधेयक सदन में प्रस्तुत किए जाते हैं, उन पर चर्चा होती है और तत्पश्चात वे अधिनियम का स्वरूप ग्रहण करते हैं। साथ ही प्रश्नकाल, शून्यकाल तथा सदन की कार्यवाही से संबंधित नियमों की भी जानकारी दी गई।

इस अवसर पर सतीश महाना ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और समाज को सही दिशा देने में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पत्रकार का दायित्व केवल समाचार देना नहीं, बल्कि सत्य, निष्पक्षता और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज की आवाज बनना है। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह अत्यंत तीव्र है, ऐसे में तथ्यों की पुष्टि और नैतिक मूल्यों का पालन अनिवार्य है।

> पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिवाकर अवस्थी ने बताया कि संसदीय पत्रकारिता के व्यावहारिक पक्ष को समझाने के उद्देश्य से यह भ्रमण आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की महत्वपूर्ण संस्था को निकट से देखने का अवसर विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगा।

विद्यार्थियों ने इस शैक्षणिक भ्रमण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि पुस्तकीय अध्ययन के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव पत्रकारिता के क्षेत्र में गहन समझ विकसित करने में सहायक होता है। शैक्षणिक भ्रमण का समन्वय विभाग के सहायक आचार्य डॉ. हरिओम कुमार द्वारा किया गया।

लोगों को जागरूक व प्रेरित किया जाय, ताकि अधिक से अधिक उद्यम स्थापित हो सकें: केशव प्रसाद

किसानो और युवाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार के ठोस प्रयास

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे किसानो व उद्यमियो की आमदनी बढ़ाने तथा युवाओं के लिए रोजगार की अपार सम्भावनायें है।उन्होने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिये हैं कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के तहत दी जा रही सुविधाओं तथा प्रदत्त व प्राविधानित अनुदान आदि के बारे मे लोग को जागरूक व प्रेरित किया जाय, ताकि अधिक से अधिक उद्यम स्थापित हो सकें। इस दिशा मे खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बहुत तेजी से कार्य किया जा रहा है।उन्होंने निर्देश दिये हैं कि खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानो के उत्पादो का

अधिक से अधिक दाम दिलायें।विकसित भारत के निर्माण मे खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर का बहुत बड़ा योगदान रहेगा। उन्होने निर्देश दिये हैं कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत स्थापित यूनिटो को नियमानुसार सब्सिडी धनराशि ससमय दिलाई जाय। थर्ड पार्टी इन्स्पेक्शन रिपोर्ट भी समय से आनी चाहिए। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के तहत उद्यमियो को ससमय सब्सिडी मिलती रहे, इस हेतु उप मुख्यमंत्री के निर्देशो के क्रम मे अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी एल मीणा द्वारा लगातार अनुश्रवण व समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत नामित थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसियों, शिक्षाविदों एवं वैज्ञानिकों के साथ एक

> द्वितीय किश्त के भुगतान हेतु अग्निशमन तथा प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र अनिवार्य हैं, जिनके लिए स्वीकृत प्लान मैप आवश्यक है। प्लान मैप की स्वीकृति में विलंब के कारण द्वितीय किश्त का भुगतान लंबित होता है, जिससे निवेशकों के टर्म लोन खातों पर ब्याज प्रतिपूर्ति प्रभावित होती है और इकाइयों की वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में अवगत कराया गया कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के निवेशकों को कार्यस्थल के प्लान मैप की स्वीकृति प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

अनेक कार्यक्रम उद्योग क्षेत्र में सम्मिलित

उप मुख्यमन्त्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक कार्यक्रम उद्योग क्षेत्र में सम्मिलित हैं। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग लगाने हेतु सुनियोजित विकास के कार्यक्रम आरंभ कर उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति -2023 लागू की गई है,जो कृषकों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाने,रोजगार एवं मूल संवर्धन में सहायक सिद्ध हो रही है। भारत सरकार के सहयोग से खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के अंतर्गत असंगठित क्षेत्र की इकाइयों को पूंजीगत अनुदान देकर लाभान्वित किए जाने के कार्यक्रम भी प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत चल रहे हैं।प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना हेतु 478 करोड रुपए की व्यवस्था बजट में प्रस्तावित की गई है तथा उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के क्रियान्वयन हेतु 300 करोड रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है।

केजीएमयू में महिला डॉक्टर का हाथ पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के KGMU (किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी) में एक बार फिर छेड़खानी और यौन शोषण का मामला सामने आया है। 50 दिन में यह तीसरा केस है। अब पीडियाट्रिक विभाग की एमडी की छात्रा (रेजिडेंट डॉक्टर) ने विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार वर्मा पर सेक्सुअल हरैसमेंट करने का आरोप लगाया है।

यूनिवर्सिटी प्रशासन की जांच में पीड़ित डॉक्टर के आरोप सही निकले। इसके बाद आरोपी एडिशनल प्रोफेसर को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड भी कर दिया गया। विभाग में एंट्री करने पर रोक भी लगा दी गई है। KGMU प्रशासन पूरे मामले की सच्चाई का पता लगा रहा है। पीड़ित डॉक्टर (एमडी छात्रा) ने 11 फरवरी को परिवारवालों के साथ पहुंचकर KGMU प्रशासन से शिकायत की थी। डॉक्टर ने आरोप लगाया था कि

प्रोफेसर उससे अभद्रता करते हैं। साथ ही मोबाइल पर मैसेज भेजते हैं। इसके बाद कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद के आदेश पर विशाखा कमेटी ने पीड़ित डॉक्टर के बयान दर्ज किए। एडिशनल प्रोफेसर से पूछताछ की। कमेटी की शुरुआती जांच में आरोप सही पाए गए। इसकी रिपोर्ट के आधार पर आरोपी एडिशनल प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार वर्मा को सस्पेंड कर दिया गया। KGMU के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया- घटना के दिन एडिशनल प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार वर्मा ने रेजिडेंट डॉक्टर को किसी काम के बहाने चैंबर में बुलाया। पहले उसका हाथ पकड़ा और फिर छेड़छाड़ की।

विरोध : किसानों ने कलेक्ट्रेट के सामने किया प्रदर्शन, जिलाधिकारी से मिलने पर अड़े

भारत-अमेरिका कृषि समझौते के खिलाफ प्रदर्शन

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। भारत–अमेरिका कृषि समझौते के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय लखनऊ में किसानों ने प्रदर्शन किया। "मेरा खेत – मेरा अधिकार" के नारे के साथ भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किसान धरना-प्रदर्शन जिलाधिकारी कार्यालय के सामने बैठ गए।

वह डीएम विशाख जी. का इंतजार किया। उन्हीं को केंद्र सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का ज्ञापन देने के लिए काफी देर तक बैठे रहे। उनका कहना था कि हम लोग गांव इतनी दूर आ गए और डीएम साहब कमरे से नहीं निकल पा रहे हैं। हम उन्हें अपना ज्ञापन देकर ही यहां से लौटेंगे।

वाइस सिटी इंचार्ज ज्ञानचंद गुप्ता ज्ञापन लेने पहुंचे, लेकिन किसानों ने मना कर दिया। उनका कहना है कि जिलाधिकारी आएंगे तभी ज्ञापन दिया जाएगा।

> किसानों का आरोप है कि भारत-अमेरिका कृषि समझौता देश के छोटे और मझोले किसानों के हितों के खिलाफ है। संगठन का कहना है कि यदि विदेशी कंपनियों को खुली छूट दी गई तो स्थानीय किसानों की जमीन, उपज और बाजार पर सीधा असर पड़ेगा। इसी मुद्दे को लेकर यूनियन ने जिला प्रशासन के माध्यम से

धरना-प्रदर्शन के दौरान किसान प्रतिनिधिमंडल

डीएम साहब आएंगे तो उन्हें ही ज्ञापन देंगे

किसानों का कहना है कि अगर डीएम साहब नहीं आएंगे.... तो हम ज्ञापन नहीं देंगे... जब वह (डीएम) यहां पर बैठे हुए हैं, उसके बाद भी नहीं आ रहे हैं तो हम लोग यही समझेंगे कि वह किसान विरोधी हैं।

किसानों का कहना है कि हम गांव से यहां पर आ गए हैं और साहब कमरे से बाहर तक नहीं आ पा रहे हैं।

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेगा, जिसमें समझौते को रद्द करने या उस पर पुनर्विचार की मांग की जाएगी। यूनियन के पदाधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ लखनऊ की आवाज नहीं, बल्कि देशभर के किसानों की चिंता है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बंथरा पुलिस ने स्कूल में बच्चों को किया जागरूक

> डैबल पब्लिक स्कूल में बाल-महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, हेल्पलाइन और यातायात नियमों की दी गई जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत थाना बंथरा पुलिस टीम द्वारा डैबल पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 70–80 छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने बच्चों को 112 आपात सेवा, महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, यूपी कॉप ऐप, साइबर क्राइम से बचाव, गुड टच-बैड टच और यातायात नियमों के बारे में विस्तार से बताया। महिला उपनिरीक्षक श्रीमती गुलाबकली एवं महिला उपनिरीक्षक नेहा यादव ने बच्चों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग करते हुए बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति से ओटीपी, बैंक विवरण या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें और ऑनलाइन धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को यह भी समझाया गया कि किसी भी प्रकार की असहज स्थिति में पुलिस से संपर्क करने में संकोच न करें।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति 5.0 का मुख्य उद्देश्य

महिलाओं और बालिकाओं को अपराधों के प्रति जागरूक करना, उनमें कानूनी जानकारी बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर व सुरक्षित बनाना है। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षकों और विद्यार्थियों ने इस पहल की सराहना की और इसे उपयोगी बताया।

मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पोस्टमार्टम, वीडियोग्राफी के बीच हुई प्रक्रिया

यूकेजी छात्र की मौत के मामले में कब्र से निकाला गया शव

जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मालीपुर थाना क्षेत्र के बरौली आशानंदपुर नोखवा गांव में यूकेजी छात्र की संदिग्ध मौत के मामले में गुरुवार को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। चिकित्सकों की टीम ने वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम किया। पुलिस के अनुसार रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा।

आरोप है कि विद्यालय समय समाप्त होने के बाद छात्र को बस से घर भेज दिया गया। परिजनों के मुताबिक बस में छात्र ने खून की

उल्टी की और दर्द से कराहता रहा। आरोप यह भी है कि बस चालक ने उसे रास्ते में उतार दिया। एक अन्य छात्र ने साइकिल से उसे घर पहुंचाया।

घर पहुंचने पर स्वजन उसे निजी चिकित्सक के पास ले गए। इलाज के बाद रात में घर लौटने पर उसकी मौत हो गई। गुरुवार को नायब तहसीलदार अमरनाथ द्विवेदी मजिस्ट्रेट के रूप में पुलिस टीम के साथ नदी तट पहुंचे। नियमानुसार प्रक्रिया पूरी कर शव को कब्र से निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई गई। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्यामदेव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। मामले में विद्यालय प्रशासन की भूमिका, छात्र

स्कूल में बिगड़ी थी तबीयत

गांव निवासी हीरालाल और शशिकला दोनों दृष्टिबाधित हैं। उनका पुत्र अंश एक निजी विद्यालय में यूकेजी का छात्र था। परिजनों के अनुसार मंगलवार को वह प्रतिदिन की तरह स्कूल बस से विद्यालय गया था। सुबह करीब 10 बजे उसे पेट में तेज दर्द की शिकायत हुई। आरोप है कि दर्द बढ़ने और उल्टी होने के बावजूद छात्र को अस्पताल नहीं ले जाया गया और न ही समय से घर भेजा गया। परिजनों का कहना है कि आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए उसे निजी विद्यालय में पढ़ाया जा रहा था।

दफन के बाद उठे सवाल

बुधवार सुबह ग्रामीणों की मौजूदगी में हमजापुर मंजूषा घाट पर शव को दफना दिया गया। बाद में कुछ बच्चों ने घर पहुंचकर घटना से जुड़ी जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद मामले ने नया मोड़ लिया। छात्र की मां शशिकला ने उपजिलाधिकारी को पत्र देकर शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम कराने की मांग की। उन्होंने मौत के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की भी अपील की।

की तबीयत बिगड़ने के बाद उठाए गए कदम और बस से घर भेजने की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच होगी और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में चर्चा का माहौल है। फिलहाल प्रशासनिक और पुलिस स्तर पर मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों से पर्दा उठ सकेगा।

मांग : संयुक्त किसान मोर्चा का कलेक्ट्रेट पर धरना

मुक्त व्यापार समझौते रद्द करने व एमएसपी की गारंटी की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। संयुक्त किसान मोर्चा ने गुरुवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट के निकट अंबेडकर प्रतिमा प्रांगण में धरना-प्र-दर्शन किया। प्रदर्शन के बाद मोर्चा पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

मोर्चा की प्रमुख मांगों में अमेरिका तथा अन्य देशों के साथ प्रस्तावित कृषि मुक्त व्यापार समझौतों को रद्द करना शामिल है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ऐसे समझौतों से देश के कृषि बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और छोटे व सीमांत किसानों की स्थिति कमजोर होगी।

ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान में केंद्र सरकार अमेरिका, यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ

कृषि क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रही है। मोर्चा का आरोप है कि इन समझौतों के लागू होने से अनाज, दाल, तिलहन, डेयरी, पोल्ट्री और फलों सहित अन्य कृषि उत्पादों का आयात बढ़ सकता है, जिससे घरेलू उत्पादकों को नुकसान होगा।

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय कृषि विपणन नीति ढांचे को लेकर भी चिंता जताई। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार ने राज्यों को जो प्रस्ताव भेजा है, उससे कृषि बाजारों में कॉर्पोरेट हस्तक्षेप बढ़ेगा। मोर्चा का कहना है कि इससे सरकारी समर्थन और सब्सिडी की व्यवस्था कमजोर हो सकती है।

एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग

धरने के दौरान मोर्चा ने सभी फसलों के लिए सी-2 लागत पर 50 प्रतिशत लाभ जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और सरकारी खरीद सुनिश्चित करने की मांग दोहराई। साथ ही किसानों और खेत मजदूरों के कर्ज की माफी तथा बिजली दरों में वृद्धि वापस लेने की भी मांग उठाई गई। मोर्चा नेताओं ने आरोप लगाया कि दिसंबर 2021 में किसानों से किए गए लिखित वादों को अब तक पूरा नहीं किया गया है।

राजेसुल्तानपुर में युवक की संदिग्ध मौत

पट्टीदारों पर खिला-पिलाकर मारने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के टिकोरिया बुजुर्ग गांव में बुधवार देर शाम एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान आकाश उर्फ रवि सिंह पुत्र अभिमन्यु सिंह के रूप में हुई है। परिजनों ने पट्टीदारों पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

मृतक की मां अनिता देवी ने देर रात पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बुधवार सुबह पिंकू उर्फ रुद्र प्रताप सिंह और दो अन्य अज्ञात व्यक्ति दो बोलेरो गाड़ियों से उनके बेटे को अपने साथ ले गए थे। आरोप है कि शाम के समय आकाश को मारपीट कर मरणासन्न अवस्था में घर के पास छोड़ दिया गया।

परिजनों के अनुसार युवक की

हालत गंभीर थी और वह बोलने की स्थिति में नहीं था।

बेटे की हालत बिगड़ती देख अनिता देवी उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जहाँगीर-गंज ले गईं। वहां मौजूद चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

अनिता देवी ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि बेटे को खिला-पिलाकर और मारपीट कर उसकी हत्या की गई है।

कार्यालय परिसर को पार्क के रूप में विकसित करने और आय सृजन बढ़ाने के निर्देश

कटेहरी विकास खंड का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने गुरुवार को विकास खंड कटेहरी स्थित खंड विकास अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण कर विभिन्न अनुभागों, अभिलेखों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने, आय सृजन के नए स्रोत विकसित करने और कार्यालय संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खंड विकास अधिकारी कार्यालय के विभिन्न पटलो का निरीक्षण करते हुए ग्राम रजिस्टर, कैश बुक, डेड

स्टॉक रजिस्टर, क्षेत्र पंचायत रजिस्टर, ग्रांट रजिस्टर और सेवा पुस्तिकाओं के सत्यापन की स्थिति की जांच की गई। लंबित प्रविष्टियों और अद्यतन अभिलेखों की समीक्षा कर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। कार्यालय में प्रचलित निविदाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी निविदाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप और निर्धारित समयसीमा में पूर्ण की जाएं। मनरेगा कक्ष का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने प्रचलित कार्यों, श्रमिकों के भुगतान, मास्टर रोल और अन्य

प्रेरणा कैंटीन की गुणवत्ता और संचालन पर जोर

परिसर में स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित प्रेरणा कैंटीन का भी निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने साफ-सफाई, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और संचालन व्यवस्था का जायजा लिया। आय-व्यय का विवरण लेकर पारदर्शिता की स्थिति की समीक्षा की गई। संचालकों को नियमित स्वच्छता बनाए रखने, गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने और आय-व्यय अभिलेखों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए।

अभिलेखों की जांच की। भुगतान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी न हो, इसके लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि मजदूरों को समय पर पारदर्शी तरीके से भुगतान सुनिश्चित किया जाए। सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) कक्ष और एनआरएल-एम कक्ष का भी निरीक्षण किया गया। योजनाओं के क्रिय न्व य न , लाभार्थियों की संख्या और प्रगति की समीक्षा की गई।

विकास खंड में संचालित स्वयं सहायता समूहों की संख्या, उनके संचालन और आय सृजन गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि समूहों की महिलाओं को स्वरोजगार के विविध अवसरों की जानकारी दी जाए और उन्हें गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह फरवरी तक विस्तारित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। प्रदेश में 1 जनवरी 2026 से संचालित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह को फरवरी माह तक विस्तारित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में अभियान को ग्रामीण स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसी क्रम में गुरुवार को विकासखंड टांडा सभागार में ग्राम प्रधानों और ग्राम सचिवों के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान को सफल बनाने के लिए विकासखंड स्तर पर ग्राम प्रधानों को मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार करने की योजना लागू की गई है। उद्देश्य है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाए और दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम प्रधानों को यातायात नियमों, सड़क संकेतों, हेलमेट और सीट बेल्ट के

विकासखंड टांडा में ग्राम प्रधानों को बनाया गया मास्टर ट्रेनर

अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग और नशे में वाहन चलाने के दुष्परिणामों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में एआरटीओ अम्बेडकरनगर ने सड़क सुरक्षा से जुड़े प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जनजागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है। ग्राम प्रधानों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने गांवों में बैठकें आयोजित कर लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करें।

डीएम व एसपी ने शिवबाबा धाम व शिवलाघाट का किया निरीक्षण

तैयारी : महाशिवरात्रि को लेकर प्रशासन सतर्क

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कानून-व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला और पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर ने गुरुवार को प्रमुख शिवालयों का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिवबाबा धाम और शिवलाघाट शहजादपुर सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की तैयारियों की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रहने की संभावना है, इसलिए बैरिकेडिंग, प्रवेश और निकास मार्गों की स्पष्ट व्यवस्था तथा सुचारु आवागमन सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को पर्व के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष निगरानी रखने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। प्रमुख मार्गों पर

साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था

जिलाधिकारी ने नगर निकाय और संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। समुचित प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, अस्थायी शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही प्रमुख स्थलों पर आवश्यक संकेत पट्ट लगाए जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन मिल सके।

डायवर्जन प्लान तैयार करने और पार्किंग स्थलों को चिन्हित करने के निर्देश भी दिए गए। शिवलाघाट और शिवबाबा धाम के आसपास की सड़कों का निरीक्षण कर यातायात व्यवस्था की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि भारी वाहनों के प्रवेश पर नियंत्रण रखा जाए और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित पैदल मार्ग सुनिश्चित किया जाए। पुलिस प्रशासन को पर्व के दौरान सीसीटीवी निगरानी बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा गया।

विभागों के बीच समन्वय पर बल

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को लेकर भी चर्चा की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें, ताकि पर्व शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

उन्होंने विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य विभाग को प्राथमिक उपचार की व्यवस्था रखने और नगर निकाय को स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल तैयार रखने को कहा गया।

राजकीय आईटीआई अकबरपुर में दिव्यांगजन रोजगार मेला आयोजित

7 अभ्यर्थियों का चयन, 32 ने स्वरोजगार के लिए कराया पंजीकरण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। राजकीय आईटीआई अकबरपुर परिसर में गुरुवार को दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0 के अंतर्गत एक दिवसीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में जनपद के विभिन्न विकास खंडों से 68 से अधिक दिव्यांगजन अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया।

रोजगार मेले में निजी कंपनियों एवं संस्थानों के सहयोग से साक्षात्कार की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। वर्चुअल माध्यम से आयोजित साक्षात्कार के जरिए 7 दिव्यांगजनों का चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार मेले का उद्देश्य दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर

बनाने की दिशा में ठोस पहल करना है।

रोजगार मेले का आयोजन कौशल विकास विभाग, राजकीय आईटीआई, जिला सेवायोजन कार्यालय और जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। आयोजन के दौरान अभ्यर्थियों को विभिन्न योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और रोजगार अवसरों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। मेले में उपस्थित विभागीय अधिकारियों ने प्रतिभागियों को रोजगार और स्वरोजगार के उपलब्ध विकल्पों के बारे में विस्तार से बताया।

मेले के दौरान 32 दिव्यांगजनों ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी प्रोत्साहन अभियान के अंतर्गत स्वरोजगार के लिए पंजीकरण कराया। योजना के तहत लाभार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों को आगे की प्रक्रिया के संबंध में विभागीय स्तर पर जानकारी दी जाएगी, ताकि वे योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

त्योहारों से पहले पुलिस हुई अलर्ट सुरक्षा व्यवस्था परखी

एसपी ने अकबरपुर क्षेत्र में किया पैदल गश्त

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आगामी त्योहारों को लेकर जनपद पुलिस सतर्क हो गई है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर ने बुधवार देर शाम कोतवाली अकबरपुर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। भ्रमण का उद्देश्य अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था बनाए रखना और आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करना रहा।

पुलिस अधीक्षक ने बाजारों, मुख्य चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय पुलिस बल की तैनाती, गश्त व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की समीक्षा की गई। त्योहारों के मद्देनजर भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस-कर्मियों को मुस्तैदी से कार्य करने

और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। संवेदनशील बिंदुओं पर अतिरिक्त निगरानी रखने पर भी जोर दिया गया। भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता बताते हुए कहा कि त्योहारों के समय किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस टीमों को सक्रिय रहकर नियमित चेकिंग अभियान चलाने और आवश्यकतानुसार कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने बाजार क्षेत्रों में फुट पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा रात्रि गश्त को प्रभावी बनाने पर बल दिया। साथ ही स्थानीय नागरिकों से संवाद कर सहयोग की अपील की। पुलिस अधीक्षक ने भ्रमण के दौरान व्यापारियों और राहगीरों से बातचीत कर सुरक्षा संबंधी सुझाव भी प्राप्त किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना पुलिस की प्राथमिकता है।

कोतवाली अकबरपुर क्षेत्र में देर शाम तक चले इस निरीक्षण अभियान के दौरान पुलिस बल पूरी तरह सक्रिय नजर आया। त्योहारों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने निगरानी और गश्त व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के संकेत दिए हैं।

आयोजन : संजू चौहान बनीं चैंपियन, विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने दिखाया दमखम

रमाबाई महिला पीजी कॉलेज का 27वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

अकबरपुर (अम्बेडकरनगर)। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित 27वें वार्षिक क्रीड़ा समारोह का गुरुवार को समापन हो गया। दो दिवसीय आयोजन के अंतिम दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के फाइनल मुकाबले संपन्न हुए। समापन अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया और खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि खेलकूद केवल शारीरिक मजबूती का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, टीम वर्क, आत्मविश्वास

और सकारात्मक सोच विकसित करने का सशक्त साधन है। उन्होंने कहा कि नियमित खेल गतिविधियों से तनाव कम होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मानसिक संतुलन मजबूत होता है। खेल जीवन में हार और जीत को समान भाव से स्वीकार करने की क्षमता भी विकसित करते हैं। क्रीड़ा प्रभारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने प्राचार्य को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया। 4×100 मीटर रिले दौड़ में संजू चौहान, सलमा बानो, मरियम सिद्दिकी और जूही की

संजू चौहान ने जीती चैंपियनशिप

27वें वार्षिक क्रीड़ा समारोह में कुमारी संजू चौहान ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन आयोजित 400 मीटर दौड़ में संजू चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मरियम सिद्दिकी द्वितीय तथा अंकिता वर्मा तृतीय स्थान पर रहीं।

टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम तालमेल और गति का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। समापन अवसर पर क्रीड़ा प्रभारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विद्याधर मिश्र ने किया।

म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में पल्लवी उपाध्याय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। खुशबू द्वितीय और सलोनी चौरसिया तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही।

कबड्डी और रस्सा-कसी में रोमांचक मुकाबले

कबड्डी प्रतियोगिता में पल्लवी उपाध्याय की टीम विजेता रही, जबकि अंशिका पाण्डेय की टीम उपविजेता घोषित की गई। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। रस्सा-कसी प्रतियोगिता में सोनालिका की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। पल्लवी उपाध्याय की टीम को उपविजेता स्थान मिला। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का उत्साह और सामूहिक प्रयास आकर्षण का केंद्र रहा।

सम्पादकीय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर विपक्ष की अनावश्यक आपत्ति

अमेरिका ने भारत के साथ होने वाले अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर जारी अपने दस्तावेज में जिस तरह दो बड़े बदलाव किए, उससे भारत के इस पक्ष को ही मजबूती मिली कि इस समझौते के मामले में साझा बयान की बातों को ही महत्व दिया जाए। अमेरिकी दस्तावेज में एक बदलाव यह है कि अमेरिका ने खाद्य एवं कृषि उत्पादों की सूची से दालों को हटा दिया। इसके अलावा यह भी स्पष्ट किया कि भारत अमेरिका से 500 अरब डालर का सामान खरीदने का इरादा रखता है। पहले इस दस्तावेज में कहा गया था कि भारत अमेरिका से 500 अरब डालर का सामान खरीदने का वादा कर रहा है। स्पष्ट है कि वादे और इरादे में अंतर होता है। इसके बाद भी इसमें संदेह है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बनी सहमति का अकारण और अतिरंजित विरोध करने वाले शांत बैठेंगे। कुछ किसान संगठन और विपक्षी राजनीतिक दलों ने विरोध का झंडा उठा भी लिया है।

इसमें हमेशा की तरह कांग्रेस सबसे आगे है। गत दिवस लोकसभा में राहुल गांधी ने व्यापार समझौते को लेकर सरकार पर हमला बोलते हुए यह कहा कि उसने भारत माता को बेच दिया और अमेरिका के सामने पूरी तौर पर समर्पण कर दिया। उन्होंने किसान हितों से लेकर देश की ऊर्जा सुरक्षा से समझौता करने के भी आरोप लगाए, जबकि किसान हित सुरक्षित हैं और अभी यह स्पष्ट नहीं कि भारत रूस से तेल खरीद पूरी तरह बंद करने जा रहा है।

अमेरिकी दस्तावेज में बदलाव के बाद यह और आवश्यक हो जाता है कि अगले माह यानी मार्च में होने वाले अंतरिम व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की प्रतीक्षा की जाए, क्योंकि उसमें ही तस्वीर पूरी तरह साफ हो सकेगी, लेकिन यह स्पष्ट ही है कि राहुल गांधी जैसे विरोध के लिए विरोध करने वाले नेता चैन से बैठने वाले नहीं। वे यही प्रचारित करते रहेंगे कि भारत ने अमेरिका के सामने हथियार डाल दिए। गत दिवस उन्होंने यही किया। वे सरकार पर आरोप लगाकर सदन से चलते बने। उन्होंने अपने आरोपों के संदर्भ में सरकार का बयान सुनने की आवश्यकता नहीं समझी। इसका मतलब है कि उनका यही सोचना है कि वे किसी भी मामले में जो कुछ कहें, उसे ही अंतिम सत्य मान लिया जाए।

निःसंदेह अमेरिका से होने वाले व्यापार समझौते को लेकर जारी साझा बयान के कुछ बिंदु ऐसे हैं, जिन पर स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है और उन पर बहस भी हो सकती है, लेकिन यदि कोई इस नतीजे पर पहुंच रहा है कि किसी भी देश के साथ होने वाला व्यापार समझौता पूरी तौर पर भारत के पक्ष में झुका हो तो यह संभव नहीं। द्विपक्षीय समझौते आपसी लेन-देन पर ही आधारित होते हैं। संबंधित देशों को एक-दूसरे के हितों की चिंता करते हुए अपने हितों की रक्षा करनी होती है। भारत ने यही किया है।

लोकसभा अध्यक्ष की निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह क्यों?

डॉ. ओ.पी. मिश्र

कितना गजब का इत्तेफाक है की विपक्ष या विपक्ष का नेता अथवा दलीय नेता 9 साल पहले लाये गए नोटबंदी की बात नहीं कर सकता लेकिन सत्ता पक्ष 50 साल पहले लगाई गई इमरजेंसी की बात कर सकता है। इस तरह तो सत्ता पक्ष और विपक्ष में टकराव बना ही रहेगा और शायद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस तरह के टकराव को समाप्त भी नहीं कराना चाहते।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए 118 सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 94 के अंतर्गत एक नोटिस दिया है । इस नोटिस को लोकसभा सचिवालय ने संज्ञान में ले लिया है और उम्मीद की जाती है कि जब होली के बाद संसद बैठेगी तो इस पर विचार होगा। आप प्रश्न यह उठता है कि ऐसी नौबत आई ही क्यों? या फिर लोकसभा अध्यक्ष की निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लगा ही क्यों? इस क्यों का उत्तर हम सबको तलाशना ही होगा। वरना लोकतंत्र की नीव हिल जाएगी। वैसे भी आजकल देश का वातावरण इतना प्रदूषित हो गया है कि आम आदमी को सांस लेना भी दुभर हो गया है । यहां यह सवाल भी उठता है कि क्या लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव टाला जा सकता है? इसका जवाब है कि हां टाला जा सकता था। लेकिन उसके लिए आवश्यक यह था कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संवाद की स्थिति बनती। जबकि संवाद की बात कौन कहे? यहां तो बात करने से भी परहेज किया जा रहा है। सत्ता पक्ष अपने पास बहुमत होने का फायदा उठाकर विपक्ष की और खास तौर से विपक्ष के नेता राहुल गांधी की बोलती बंद करना चाहता है। ऐसा करते समय सत्ता पक्ष यह भूल जाता है कि उसे मात्र 35% मतदाताओं का समर्थन प्राप्त है जबकि विपक्ष के पास 65% है । सत्ता पक्ष को पुराने जख्म कुरेदने में ज्यादा आनंद आता है। लेकिन जब यही काम विपक्ष करना चाहता है तो उसे बोलने नहीं दिया जाता। अगर सत्ता पक्ष को अतीत से ज्यादा प्यार है तो उसे 1952 में जब पहली लोकसभा का गठन हुआ था उस पर भी नजर डालनी चाहिए। 15 मई 1952 को लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष गणेश वासुदेव मावलेकर ने कहा था कि संसद केवल बहुमत का शासन नहीं बल्कि यह विचार विमर्श और तर्क का मंच है। उन्होंने आगे कहा था कि अध्यक्ष का पद किसी दल का नहीं होता बल्कि पूरे सदन का होता है क्योंकि जब संसद की प्रतिष्ठा गिरती है तो लोकतंत्र कमजोर होता है। लेकिन आज हालात यह है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर शायद लोकतंत्र को कमजोर करने में लगे हैं क्योंकि विपक्ष अगर अपनी बात रखने पर आमादा है तो सत्ता पक्ष शोर सराबा के जरिए विपक्ष की बात सुनने को तैयार नहीं। जबकि होना यह चाहिए था कि भले आप हमारी बातों से सहमत न हो हमारे विचार आपको पसंद ना हो लेकिन आपको हमारे विचार सुनना तो चाहिए ही। आप यानी सत्ता पक्ष विपक्ष को बोलने के अधिकार को कैसे रोक सकते हैं क्योंकि सरकार की तथ्यों सहित आलोचना करना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है। कितनी अजीब बात है कि जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी किसी किताब, किसी मैगजीन, किसी समाचार पत्र में छपी बात को रखते हैं तो लोकसभा अध्यक्ष इसकी अनुमति नहीं देते हैं और नियम , परंपराओं तथा कानून का उल्लंघन बताते हैं। लेकिन जब सत्ता पक्ष यहां तक की प्रधानमंत्री किसी किताब को कोड करते हैं या सत्ता पक्ष का कोई सांसद किताबों को कोड करता है तो लोकसभा अध्यक्ष को कोई आपत्ति नहीं होती। तब नियम कानून और परंपराएं रास्ता नहीं रोकती। यह धुव सत्य है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भाजपा के सांसद हैं वह कमल के चुनाव निशान पर राजस्थान के कोटा से निर्वाचित हुए है। लेकिन अब जब वे लोकसभा अध्यक्ष पक्ष और विपक्ष दोनों की रजामंदी से बने हैं तो उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन में विपक्ष को संरक्षण देना चाहिए और सत्ता पक्ष से अपेक्षा करना चाहिए कि विपक्ष के आरोप का समुचित जवाब दे। क्योंकि अगर मतदाताओं ने सत्ता पक्ष के लोगों को वोट देकर विजय बनाया है तो मतदाताओं के ही वोट से विपक्ष के सांसद चुने गए हैं। दोनों में कोई अंतर नहीं दोनों को राष्ट्र के प्रति, समाज के प्रति तथा लोकतंत्र के प्रति समान जिम्मेदारी है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष यह कहते हैं कि प्रधानमंत्री जी को सदन में आने से हमने मना किया था क्योंकि विपक्षी महिला सांसदों के जरिए कोई अप्रिय घटना घट सकती थी। तो बरबस हसी का आ जाना लाजमी है क्योंकि लोकसभा अध्यक्ष का यह बयान उनकी गरिमा के अनुकूल नहीं बल्कि प्रधानमंत्री को सवालों से दूर रखने वाला ज्यादा प्रतीत होता है। क्या एक सांसद को जो भारत का प्रधानमंत्री है उसे अपने ही सांसद मित्रों से खतरा है? संसद भवन में खतरा है? सहन में खतरा है? ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला चाहते ही नहीं थे कि प्रधानमंत्री किसी भी प्रश्न का उत्तर देने सदन में आए? क्या प्रधानमंत्री के पास विपक्ष के सवालों के जवाब नहीं थे? या प्रधानमंत्री विपक्ष के सवालों के जवाब देने से बचना चाहते थे? इसलिए लोकसभा अध्यक्ष ने यह भूमिका बनाई? आखिर क्या वजह है कि प्रधानमंत्री पब्लिक मीटिंग छोड़कर कहीं कभी किसी प्लेटफार्म से सवालों के जवाब नहीं देते। हम सब जानते हैं कि जीवन तथ्यों पर चलता है तर्कों पर नहीं। लेकिन सत्ता प्रतिष्ठान हमेशा तर्कों के जरिए सवाल करने वाले का मुंह बंद करना चाहता है जो किसी भी लिहाज से उचित नहीं है, और ना ही यह उचित है कि सत्ता प्रतिष्ठान हमेशा गड़े मुर्दे खोदता रहे। पूर्व प्रधानमंत्री के चरित्र पर, उनके कार्य प्रणाली पर, उनकी उपलब्धियां पर प्रश्न चिन्ह लगाते रहें और अपनी कारगुजारियों या अपने कार्यों पर चुप रहे। जबकि आज की तारीख में लाखों मतदाताओं के पास करोड़ों सवाल हैं जिनका जवाब देने के बजाय सत्ता प्रतिष्ठान नित नए स्वाग रचता है। वैसे यह सही है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव संख्या बल के सामने गिर जाएगा लेकिन एक संदेश जरूर दे जाएगा जो इतिहास में दर्ज होगा। आज का बच्चा जब कल नवजवान होगा इतिहास पढेगा तो वह जान लेगा की ओम बिरला नाम के एक लोकसभा अध्यक्ष थे जिन पर पक्षपात के आरोप लगे थे और अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था।

डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है। पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश-ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है। नए नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बढ़ाई गई है। अब उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता को यह जानकारी मिले कि साझा की जा रही सामग्री एआई से निर्मित है या नहीं। इससे पारदर्शिता का एक न्यूनतम मानक स्थापित होगा।

- **ललित गर्ग**

कागजों में कई संस्थान ...

राजेश जैन

हायर एजुकेशनः 75% कॉलेज अपने छात्रों को नहीं दे पा रहे जॉब वाली स्किल्स

भारत में हर साल लाखों युवा बड़े सपनों के साथ कॉलेज और यूनिवर्सिटी में दाखिला लेते हैं। परिवार उम्मीद करता है कि चार साल की पढ़ाई के बाद बच्चा अच्छी नौकरी पाएगा, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेगा और समाज में सम्मान पाएगा लेकिन आज की सच्चाई यह है कि डिग्री मिलने के बाद भी नौकरी मिलना किसी जुए से कम नहीं रह गया है। टीमलीज एडटेक की ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 75% कॉलेज और विश्वविद्यालय अपने छात्रों को जॉब-रेडी स्किल्स देने में नाकाम हो रहे हैं, यानी डिग्री तो मिल रही है लेकिन नौकरी के लायक नहीं है। यह सिर्फ शिक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

रिपोर्ट का शीर्षक ही बहुत कुछ कह देता है -डिग्री की फैक्ट्रियों से रोजगार केंद्रों तक। आज बड़ी संख्या में संस्थान सिर्फ डिग्री बांटने वाली फैक्ट्रियों में बदल चुके हैं। क्लासरूम में थ्योरी पढ़ाई जाती है, पुराने सिलेबस रटाए जाते हैं लेकिन असली दुनिया की जरूरतों से छात्रों का कोई संपर्क नहीं होता। नतीजा यह होता है कि छात्र पास होकर निकलते हैं लेकिन उन्हें यह तक नहीं पता होता कि इंडस्ट्री उनसे क्या चाहती है।

आज कंपनियों को ऐसे युवा चाहिए जो टेक्नोलॉजी समझते हों, कम्युनिकेशन में मजबूत हों, प्रॉब्लम सॉल्विंग कर सकें, प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस रखते हों। लेकिन ज्यादातर कॉलेज इन स्किल्स पर काम ही नहीं करते।

कागजों में कई संस्थान 100% प्लेसमेंट का दावा करते हैं लेकिन सच्चाई इससे बहुत अलग है। रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ 16.67% संस्थान ही ऐसे हैं जो अपने 76% से 100% छात्रों को छह महीने के भीतर नौकरी दिला पाते हैं। बाकी छात्रों को या तो बहुत कम सैलरी वाली नौकरी मिलती है या फिर वे बेरोजगार घूमते रहते हैं, या किसी दूसरे कोर्स की तैयारी करने लगते हैं।

यह स्थिति उन माता-पिता के लिए भी चिंता का विषय है जो भारी फीस भरकर बच्चों को प्राइवेट कॉलेजों में पढ़ाते हैं। इंडस्ट्री और पढ़ाई के बीच गहरी खाई आज की शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा दोष यही है कि पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतों में तालमेल नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि सिर्फ 8.6% संस्थानों के कोर्स पूरी तरह इंडस्ट्री-फ्रेंडली हैं, 51% से ज्यादा संस्थानों का उद्योग से कोई तालमेल ही नहीं। मतलब आधे से ज्यादा कॉलेज ऐसे हैं, जहां पढ़ाया कुछ और जाता है और नौकरी में चाहिए कुछ और। अगर कॉलेजों में इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स पढ़ाएं, तो छात्रों को असली दुनिया की समझ मिले। लेकिन रिपोर्ट कहती है कि सिर्फ 7.56% संस्थानों में ही "प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस" जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स को शामिल किया गया है। बाकी जगह वही पुराने प्रोफेसर, वही पुराने नोट्स, वही पुरानी थ्योरी। छात्रों को यह नहीं बताया जाता कि आज जॉब मार्केट कैसे बदल रहा है, नई भूमिकाएं क्या हैं, कंपनियां किस तरह के स्किल्स ढूंढ रही हैं।

आज कंपनियां सिर्फ डिग्री नहीं देखतीं, वे मान्यता प्राप्त इंडस्ट्री सर्टिफिकेट्स को भी महत्व देती हैं। जैसे-एआई और डेटा साइंस सर्टिफिकेट, डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, 60% से ज्यादा संस्थानों ने इन सर्टिफिकेट्स को अपने कोर्स में शामिल करने पर कभी सोचा ही नहीं। नतीजा-छात्र ऐसे स्किल्स के बिना ग्रेजुएट होते हैं, जिन्हें कंपनियां तुरंत पहचान सकें।

नौकरी से पहले इंटर्नशिप सबसे जरूरी कदम होती है। यहीं से छात्र सीखते हैं-ऑफिस कल्चर, टीमवर्क, असली प्रोजेक्ट पर काम लेकिन भारत में सिर्फ 9.4% संस्थानों में सभी कोर्स के लिए अनिवार्य इंटर्नशिप होती है और 37.8% संस्थानों में इंटर्नशिप की कोई व्यवस्था ही नहीं है, यानी लाखों छात्र बिना किसी प्रैक्टिकल अनुभव के सीधे जॉब मार्केट में उतर जाते हैं। फिर कंपनियां कहती हैं-आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है।

लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स छात्रों को रियल वर्ल्ड प्रॉब्लम सॉल्विंग सिखाते हैं। लेकिन सिर्फ 9.68% संस्थानों में ही ऐसे प्रोजेक्ट कराए जाते हैं। बाकी जगह

पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की ताकत होते हैं। वे मेंटरशिप दे सकते हैं, रेफरल दिला सकते हैं, जॉब के मौके खोल सकते हैं। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि सिर्फ 5.44% संस्थानों के पास सक्रिय एलुमनाई नेटवर्क है।

छात्र आंदोलन...

डॉ घनश्याम बादल

बांग्लादेश चुनाव : लोकतंत्र बनाम कठमुल्लावाद बीच बांग्लादेश

इस बार 12 फरवरी 2026 को बांग्लादेश का आम चुनाव केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं वरन् वह दक्षिण एशिया के राजनीतिक संतुलन को प्रभावित करने वाली ऐतिहासिक घटना है।

यह चुनाव उस देश में हो रहा है जिसने पिछले दो दशकों में स्थिरता, विकास और दमन तीनों का स्वाद एक साथ चखा है। शेख हसीना युग के अंत, छात्र आंदोलनों की आग, सत्ता परिवर्तन, अंतरिम व्यवस्था और संवैधानिक बहसों के बीच यह चुनाव एक सीधा सवाल खड़ा करता है कि बांग्लादेश लोकतंत्र की ओर बढ़ेगा इस्लामिक कट्टरता का रास्ता पकड़ेगा, सत्ता का चेहरा बदलेगा या चरित्र ? इससे भी बढ़कर वह जन आकांक्षाओं की पूर्ति कर भी पाएगा या नहीं?

छात्र आंदोलन के माध्यम से बुखार कर फेंक दिए जाने वाला शेख हसीना का शासन केवल सत्ता नहीं, एक पूरे राजनीतिक ढांचे का प्रतीक था। केंद्रीकरण, परिवारवाद, प्रशासनिक नियंत्रण और स्थिरता के बदले असहमति का दमन। आर्थिक विकास के आँकड़े भले प्रभावशाली रहे हों लेकिन लोकतांत्रिक स्पेस लगातार सिकुड़ता गया। विश्वविद्या-लयों से लेकर मीडिया संस्थानों तक विरोध की आवाज़ें 'राष्ट्र विरोधी' करार दी जाने लगीं। यही कारण था कि 2024–25 के दौरान उभरा जनआंदोलन केवल सरकार का विरोध नहीं, बल्कि एक पूरी राजनीतिक संस्कृति के खिलाफ विद्रोह था। या दूसरे शब्दों में कहे तो वह उच्छृंखल हो रहे सत्ता तंत्र के खिलाफ एक क्रांति थी।

यह विद्रोह केवल सड़कों तक सीमित नहीं रहा; उसने व्यवस्था को हिला दिया। सत्ता बदली, अंतरिम सरकार बनी और 'जुलाई चार्टर-2025' जैसे सुधारवादी दस्तावेज़ सामने आए लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अंतरिम व्यवस्था लोकतंत्र की गारंटी नहीं होती। वह केवल संक्रमण की अवस्था होती है। संक्रमण या तो सुधार की ओर जाता है या फिर नए रूप के वर्चस्ववाद की ओर। 2026 का चुनाव इसी द्वंद्व की परिणति है। और यह बांग्लादेश के भविष्य का रोड मैप तय करेगा

राजनीतिक परिदृश्य में इस समय सबसे मजबूत शक्ति के रूप में उभर रहा है जमात ए इस्लामी गठबंधन। यह गठबंधन केवल सत्ता की लड़ाई नहीं लड़ रहा, बल्कि वैचारिक पुनर्संरचना की कोशिश कर रहा है। जमातएइस्लामी की सक्रिय भूमिका यह संकेत देती है कि धर्म आधारित राजनीति फिर से केंद्र में आने की कोशिश कर रही है। यह सिर्फ चुनावी रणनीति नहीं, बल्कि समाज के ध्रुवीकरण का दीर्घकालिक प्रोजेक्ट है। इसके समानांतर 'बांग्लादेश नेशनल पार्टी' जैसी शक्तियाँ लोकतांत्रिक सुधार, संस्थागत स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों की भाषा बोल रही हैं लेकिन संगठनात्मक मजबूती के अभाव में उनका प्रभाव सीमित दिखता है जबकि देश के सबसे प्रभावी राजनीतिक दल बांग्लादेश अवामी पार्टी को पहले ही चुनाव की रेस से बाहर कर दिया गया है।

जरा हटके

प्रेम दिवस के मौके...

डा. विनोद बब्बर

प्रेम को बदनाम करने वालों से सावधान

इधर बसंत ने दस्तक दी ही थी कि हृदय से अधिक मस्तिष्क में प्रेम का झरना फूट पड़ा। बसंत से होली तक चहुँ ओर प्रेम-ही-प्रेम बिखरा दिखाई देता है। इन दिनों प्रकृति भी अपने रूप-सौंदर्य से इठलाती यौवना प्रतीत होती है तो पक्षियों का कलरव वातावरण में संगीत की छटायें बिखेरता है। पश्चिम का एक दिन का दिखावटी प्रेम पर्व भी इसी दौरान आता है परंतु हम तो मदनोत्सव के पूरे 40 दिन प्रेम की स्वर-लहरियों पर थिरकते हैं। आखिर हो भी क्यों न, प्रेम शाश्वत जो ठहरा। इधर महानगरों से तो जैसे प्रेम का विस्फोट हो गया हो. जिसे देखो वही बुद्धा जयन्ती पार्क से मैट्रो स्टेशन, पीवीआर सिनेमाओं, कॉफी होमों में प्रेम-पुजारी बना दिखाई देता है। प्रेम, प्रेम न हुआ स्वाइन-फ्लू हो गया। चहुँ ओर प्रेम के नाम पर स्वच्छंदता, अश्लीलता रूपी वायरस के संक्रमण का ज्वार देखकर हमने भी प्रेम के इतिहास-भूगोल पर चर्चा करने की ठानी है। प्रेम मानवीय आवश्यकता है। इसके बिना तो संसार निस्सार है परंतु क्या प्रेम का स्वरुप देश काल और परिस्थिति के अनुसार परिवर्तित होता रहता है? क्या मनमाना रूप ग्रहण कर लेना ही प्रेम का स्वरुप है? क्या प्रेम महज दैहिक अभिव्यक्ति है? क्या युवा अवस्था में किसी के प्रति मन में उठ रही भावनाएं ही प्रेम हैं? शायद नहीं क्योंकि प्रेम इतना गिर नहीं सकता। प्रेम कमजोर नहीं, शक्तिशाली ही कर सकते हैं। वह शक्ति शरीर नहीं, मन में निहित है। कमजोर मन फौरन प्रतिफल चाहता है क्योंकि वह प्रेम नहीं, व्यापार करता है। हमारे संतों ने प्रेम का गुणगान किया है।

वे सब जो अपने माता-पिता को आदर देते हैं, अपने बच्चों को देश का सुयोग्य और जिम्मेवार नागरिक बनाना चाहते हैं। मेरे प्रेमियों की लिस्ट बहुत लम्बी है लेकिन पिछले कुछ वर्षों से प्रेम के नाम पर समाज में अश्लीलता, फूहड़ता,

वासना और सेक्स को परोसा जा रहा है, उसे प्रेम का नाम देना उचित नहीं है। वैलेंटाइन डे सहित तमाम अन्य 'डे ओ' पर जो कुछ देखने को मिलता है, हो सकता है वह पश्चिमी संस्कृति में गलत न हो लेकिन हमारी सभ्यता और संस्कृति में इसे अश्लीलता ही कहा जाएगा। प्रेम दिवस के मौके पर सड़कों और पार्कों में खुलेआम आलिंगनबद्ध होना आखिर क्या है? अपने अनुभव के आधार पर दावा कर सकता हूँ कि पश्चिमी समाज में मनाए जाने वाले वैलेंटाइन डे, रोज़ डे, फादर्स डे, मदर्स डे आदि की प्रासंगिकता इसलिए है क्योंकि वहाँ सब कुछ औपचारिक है। किसी को किसी से विशेष लगाव नहीं है। सब अलग-थलग हैं।

कार्य में एकाग्रता करना भी ध्यान हैं

किसी भी कार्य की पूर्ण सफलता हाशिल करने की पहली शर्त पूर्ण एकाग्रता हैं । वह कोई भी कार्य हो, चाहे शिक्षा हो, या खेल हो और चाहे व्यवसाय आदि - आदि , उसमें पूर्ण एकाग्रता से किया गया काम का परिणाम अच्छा भी आता है और शुकुन भी देता है। मानव मन बहुत चंचल होता है।हम जब पढ़ाई के लिये बैठते हैं।और कुछ ही पल में यह चंचल मन पता नहीं कहां से कहां पहुंच जाता है। हमारे ज्ञान प्राप्ति में उचित परिणाम हमको हाशिल नहीं होता हैं । हमने देखा होगा कि कुछ लोगो को एक बार पढ़ने के बाद उस पेज को वापिस पढ़ने की ज़रूरत ही नहीं होती। इसका कारण मन की एकाग्रता हैं । आज के समय में यह देखा जाता है पहले के जमाने के बनिस्बत एकाग्रता गौण सी हो गई है। बल्कि यह कहना भी अतिश्योक्ति नहीं होगा कि आज की भागमभाग में वह प्रायः खो सी गई है। यहाँ तक कि घर में खाना पकाने और खाने में भी ध्यान इधर-उधर जाता ही रहता है। नतीजन, भोजन जो हमारे प्राण को शक्ति देता है उसका पूरा रस शरीर को नहीं मिल पाता है। और तो और पूजा-पाठ में भी मन न जाने कहाँ-कहाँ भटकता रहता है। वह किसी भी काम की पूर्ण सफलता के लिए एकाग्रता अति आवश्यक है । इसका वैज्ञानिक कारण है कि एकाग्रता चित्त और बुद्धि को एक बिंदु यानी उद्देश्य पर केंद्रित करती है जिससे एक रसायनिक परिवर्तन घटित होता है, जो आत्मबल में वृद्धि करता है। वही सफलता प्रदाता है। हम असफलता के लिए बेकार दोष देश, काल व परिस्थितयों आदि को देते रहते हैं । वह एकाग्रता की कमी को हम एकदम नजरअंदाज कर देते हैं । पर सफलता की अनिवार्य शर्त शांत, प्रसन्न, एकाग्र चित्त और मन है। ध्यान दुनिया में प्रसिद्ध हैं । वह अनेक नामों से ध्यान, योग आदि की पद्धतियां चल रही हैं । वह अनेकानेक लोग ध्यान शिविरों में भाग लेते हैं अथवा ऑनलाइन कक्षाएं भी अटैण्ड करते हैं।हमारे जीवन में ध्यान का बड़ा महत्व हैं । ध्यान दुनिया में प्रसिद्ध है। दुनिया में अनेक नामों से ध्यान-योग की पद्धतियां संचालित हैं। ध्यान का मानव जीवन में बहुत महत्त्व है। जैसे शरीर में शीर्ष का महत्त्व है और वृक्ष में मूल का महत्त्व होता है । वह उसी प्रकार साधु धर्म में भी ध्यान का महत्त्व होता हैं । चित की एकाग्रता होती हैं और मन की अनपेक्षित चंचलता नहीं होती हैं तो कार्य अच्छा संपन्न हो सकता हैं । वह विधार्थी विधालयों में पढ़ते हैं तो उनके भी पढ़ाईं में अच्छी एकाग्रता होगी तो परिणाम भी अच्छा मिल सकेगा । वह प्रत्येक कार्य में ध्यान रखना अच्छा होता हैं । ध्यान शब्द हमारे व्यवहार में भी प्रचुरता से प्रयुक्त होता हैं । शरीर की स्थिरता, वाणी का संयम और मन की एकाग्रता या निर्विन्वारता ये तीनों स्थितियां एक साथ हैं तो वह बहुत अच्छा ध्यान हो जाता हैं । हमारे चलने में , भोजन करते समय में , पढ़ाईं- लिखाईं के समय यदि भाव क्रिया होती हैं तो यह कुछ अंशों में एक प्रकार का ध्यान हो जाता हैं । तेरापंथ धर्मसंघ में नवम् आचार्य श्री तुलसी के समय ध्यान पद्धति प्रेक्षा ध्यान के रूप में शुरू हुईं थी । हम अपने जीवन में ध्यान का अभ्यास करें। वह हमको कार्य करते समय यह ध्यान रहें श्वास आदि का प्रयोग करें ।

› **प्रदीप छाजेड़**

वर्दी में लूटता था अमजद, मुजफ्फरनगर में गोली खत्म होने तक की फायरिंग

एसपी पर कार्बाइन से गोलियां बरसाने वाला एनकाउंटर में ढेर

घेराबंदी

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर । मुजफ्फरनगर में पुलिस ने 50 हजार के इनामी बदमाश अमजद को एनकाउंटर में मार गिराया। गुरुवार तड़के साढ़े तीन बजे पुलिस को सूचना मिली कि बदमाश अपने गांव आ रहा है। पुलिस ने उसकी घेराबंदी की।

टीम ने बदमाश को सरेंडर करने की चेतावनी दी, लेकिन उसने कार्बाइन और पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसमें एसपी देहात आदित्य बंसल, सीओ गजेंद्र सिंह और कोतवाल सुभाष अत्री

बाल-बाल बच गए। उनके बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी। दरोगा संदीप चौधरी और सिपाही अशफाक के हाथ में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। इस दौरान अमजद को गोली लगी। वह गिर पड़ा। पुलिस उसे उठाकर गाड़ी तक ले गई, फिर सीएचसी पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हालांकि, उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया।

मुठभेड़ बुढ़ाना थाना क्षेत्र में हुई। 40 साल का अमजद मुजफ्फरनगर के शाहपुर का रहने वाला था। उस पर यूपी, राजस्थान, दिल्ली और उत्तराखंड में कुल 40 मुकदमे दर्ज थे। 2021 में राजस्थान के चूरू में मुथूट फाइनेंस से 5 किलो सोना लूटा था। पुलिस की वर्दी में वह अक्सर वारदातों को अंजाम देता था।

अमजद ने 2012 में अपराध की दुनिया में कदम रखा था। 2013 में उस पर मुजफ्फरनगर में गैंगस्टर एक्ट लगाया गया। अमजद पुलिस की वर्दी पहनकर लूट की घटनाओं को अंजाम देता था।

विरोध करने पर वह तुरंत फायरिंग कर देता था। 2017 में लूट की कोशिश में एक युवक की गोली मारकर हत्या करने के बाद अमजद सुर्खियों में आया था। अमजद के खिलाफ मुजफ्फरनगर में सबसे ज्यादा 21 मुकदमे दर्ज थे। 3 फरवरी को योगी ने यूपी फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 के उद्घाटन के दौरान कहा था कि 2012 से 2017 के बीच यूपी में 900 से ज्यादा दंगे हुए। ऐसे वक्त पर मुझे दायित्व सौंपा गया।

गोली खत्म होने पर भी फायरिंग करता रहा बदमाश

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ 20–25 मिनट तक चली। बदमाश ने पुलिसवालों पर तब तक फायरिंग की, जब तक उसकी पिस्टल और कार्बाइन की गोलियां खत्म नहीं हो गईं। करीब 20 राउंड फायरिंग की। गोलियां पुलिस के वाहनों पर लगीं, जिससे शीशे टूट गए। पुलिसकर्मियों ने वाहन की आड़ लेकर अपनी जान बचाते हुए 4 राउंड फायरिंग की। इसमें बदमाश को गोली लगी। उसने बुढ़ाना सीएचसी में इलाज के दौरान दम तोड़ा। पुलिस ने घटनास्थल से कार्बाइन, बाइक और पिस्टल बरामद की।

अंधाधुंध गोलीबारी में पुलिसवालों को गोलियां लगीं जो बुलेट प्रूफ जैकेट में फंस गईं।

8 साल में 259 अपराधियों को एनकाउंटर में ढेर किया

राज्य सरकार के अनुसार, मार्च 2017 से अक्टूबर 2025 तक यूपी पुलिस ने 259 अपराधियों को एनकाउंटर में ढेर किया है। इस दौरान 15,000 से अधिक पुलिस एनकाउंटर हुए, जिनमें 31,000 से ज्यादा अपराधी गिरफ्तार हुए और 10,000 से अधिक को गोली मारी गई।

संभल में एक और मदरसे पर बुलडोजर एक्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल । संभल के चंदौसी में गुरुवार को एक मदरसे को बुलडोजर से ध्वस्त कराया गया। दारूल उलूम का ये मदरसा सरकारी जमीन पर बना था। इसके दो कमरे, एक हॉल, बरामदे और गेट को गिराया गया। मलबा हटाने के लिए नगर पंचायत के 3 ट्रैक्टर और 20 कर्मचारियों को लगाए गए।

बनियाठेर क्षेत्र स्थित नरौली के मोहल्ला बंजारी कुंआ मदरसे का निर्माण 225 वर्ग मीटर में कराया गया था। इसे ढहाए जाने के दौरान पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया। पांच थानों की पुलिस, पीएसी और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर तैनात रहीं।

बुलडोजर एक्शन से पहले लोगों ने मदरसे से अपना सामान सुरक्षित बाहर निकाला। सुबह साढ़े दस बजे से शुरू हुई कार्रवाई दोपहर करीब एक बजे तक चली। SDM चंदौसी ने बताया कि मदरसे के अवैध होने

को लेकर नोटिस जारी किया गया था। तय समय पूरा होने पर ध्वस्तीकरण कराया गया।

चंदौसी के एसडीएम आशुतोष तिवारी ने बताया- नरौली कस्बे में गाटा संख्या 1635/1636, खाद के गड्ढे ओर रास्ते में दर्ज है। इस पर मदरसे और 7/8 मकान है। गुरुवार को दारुल उलूम मदरसे पर 67 धारा के तहत ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। सीओ चंदौसी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि चार थानों की पुलिस के साथ पीएससी को तैनात किया गया था। फायर सर्विस की टीम भी मौजूद रही। शाकिर अली ने बताया कि यह मदरसा काफी समय से बना हुआ है अब तो खाली कर रहे हैं। मुझे नहीं पता इस पूरे एरिया में कितने मकान हैं।

फास्ट न्यूज

महिला का शव कार में लेकर घूमे डॉक्टर

प्रयागराज। प्रयागराज में महिला का शव कार में लेकर डॉक्टर 2 घंटे तक घूमते रहे। महिला की मौत की खबर उसके परिवार वालों से छिपा ली। वह 3 महीने की प्रेग्नेंट थी। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन लगा दिया, जिसके थोड़ी देर बात महिला की मौत हो गई।

डॉक्टर ने पहले बताया कि महिला बेहोश है। उसे इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में ले जा रहे हैं।

धनंजय सिंह पर हमला

वाराणसी। वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र में 24 साल पहले टकसाल सिनेमा के पास पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर हुआ जानलेवा हमले का मामला फिर गरमा गया है। धनंजय सिंह पर हमले के आरोपियों में नामजद चार हमलावरों को गैंगस्टर केस में बरी होने के बाद मुख्य केस का ट्रायल तेज हो गया है। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए कोर्ट) यजुवेंद्र विक्रम सिंह ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह की ओर से दाखिल धारा 311 के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए बचाव पक्ष के प्ली ऑफ एलीबाई से जुड़े दो प्रमुख गवाहों को बुलाया है। इसमें डॉ. अरविंद कुमार सिंह और फार्मासिस्ट सुभाकर यादव को आज पुनः जिरह के लिए तलब किया है।

बदमाशों ने दिनदहाड़े युवक को गोली मारी

मेरठ । मेरठ में गुरुवार को बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली मारने के बाद बदमाश उसे घायल अवस्था में छोड़कर भाग गए। लोगों ने इसकी सूचना युवक के पिता को दी। मौके पहुंचे पिता प्रदीप ने उसे आनंद अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसका इलाज जारी है।

प्रदीप ने कहा- बेटा दीपक वैगनआर कार में खून से लथपथ पड़ा मिला।

वायरल वीडियो में पुलिस का मजाक उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। पुलिस का मजाक उड़ाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी ने एक वायरल वीडियो में कहा था कि ₹1000 में हवलदार, 10,000 में इंस्पेक्टर और 1 लाख रुपये में पूरा थाना खरीद सकता हूँ₹। जिसका वीडियो हुआ था वायरल हुआ।

जिस पर संज्ञान लेते हुए गोवर्धन पुलिस ने इंस्टाग्राम पर पुलिस की छवि खराब करने वाली रील बनाने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक का नाम रोबिन (20 वर्ष) है, जो गोवर्धन क्षेत्र के देवसेरस गांव का रहने वाला है। युवक ने सोशल मीडिया पर एक रील साझा की थी, जिसमें वह पुलिस का मजाक उड़ाते हुए कह रहा था— ₹1000 में हवलदार, 10,000 में इंस्पेक्टर और 1 लाख रुपये में पूरा थाना खरीद सकता हूँ₹।वीडियो वायरल होने के बाद मथुरा पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। मुखबिर की

सूचना पर पुलिस ने गाँठौली-देवसे-रस बम्बा की पुलिया के पास से घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के समय उसके पास से एक अवैध तमंचा (.315 बोर) और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है।

दर्ज मामलाः पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट (धारा 9/25) के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

सहारनपुर में मौलाना मदनी बोले- ये देशभक्ति नहीं राजनीति, मुसलमान इसे नहीं गा सकता

'वंदे मातरम् जबरन न थोपें ये संविधान के खिलाफ'

तमसा संकेत, संवाददाता

सहारनपुर । वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत के रूप में अनिवार्य करने पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने एतराज जताया। सहारनपुर में संगठन के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा- मुसलमान किसी को भी वंदे मातरम् गाने या बजाने से नहीं रोकते, लेकिन इसके कुछ छंद मातृभूमि को एक देवता के रूप में दिखाते हैं।

हम मुसलमान इस गीत को इसलिए नहीं गा सकते क्योंकि हम केवल एक अल्लाह की इबादत करते हैं। अपनी इस इबादत में किसी और को शामिल नहीं कर सकते। ये हमारे मान्यताओं के खिलाफ है। इसलिए वंदे मातरम्

मौलाना अरशद मदनी ने वंदे मातरम को अनिवार्य करने का विरोध किया है।

को अनिवार्य करना संविधान की आत्मा, धार्मिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों पर खुला हमला है। X पर पोस्ट कर उन्होंने कहा- एक मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की पूजा करता है। इसलिए उसे यह गाना गाने के लिए मजबूर करना संविधान के आर्टिकल 25 और सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का साफ उल्लंघन है। इस गाने को जरूरी बनाना और इसे नागरिकों पर थोपने की कोशिश देशभक्ति का इजहार नहीं है, बल्कि यह चुनावी राजनीति, एक सांप्रदायिक एजेंडा और बुनियादी मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश है।

देश के लिए प्यार का असली पैमाना कुर्बानी में

देश के लिए प्यार का असली पैमाना नारों में नहीं, बल्कि किरदार और कुर्बानी में है। इसकी शानदार मिसालें मुसलमानों और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के ऐतिहासिक संघर्ष में खास तौर पर देखी जा सकती हैं। ऐसे फैसले देश की शांति, एकता और डेमोक्रेटिक मूल्यों को कमजोर करते हैं और संविधान की भावना को कमजोर करते हैं।

मुसलमानों को देश प्रेम के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं

सुप्रीम कोर्ट भी यह स्पष्ट कर चुका है कि किसी नागरिक को राष्ट्रगान या किसी भी गीत को गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, अगर वह उसके धार्मिक विश्वासों के विरुद्ध हो। देश प्रेम और पूजा दो अलग बातें हैं। मुसलमानों को इस देश से कितनी मोहब्बत है, इसके लिए उन्हें किसी के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है।

वंदे मातरम् को जरूरी बनाना संविधान, धार्मिक आजादी और डेमोक्रेटिक उसूलों पर साफ हमला है। उन्होंने गीत के एक अंतरे में देश को दुर्गा माता के रूप में संबोधित कर उपासना के शब्दों का प्रयोग किया गया है, जो मुस्लिम धार्मिक विश्वास के विरुद्ध है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने गुरुवार को एक आदेश जारी कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य कर दिया है। आदेश के मुताबिक राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शिक्षिका, प्रधानाचार्या एवं समाजसेविका डॉ. सुधा लाम्बा रहीं

श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज में नारी सशक्तिकरण का सशक्त संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। महावन स्थित श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एक भव्य एवं प्रेरणादायक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं सशक्त बनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शिक्षिका, प्रधानाचार्या एवं समाजसेविका डॉ. सुधा लाम्बा रहीं। उनके साथ उनकी बहन श्वेता लाम्बा भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर पुलिस विभाग से उपनिरीक्षक चेतराम शर्मा, उपनिरीक्षक धर्मेंद्र कुमार, महिला उपनिरीक्षक निशिका, उपनिरीक्षक अनुराधा, उपनिरीक्षक विनीत, महिला हेड

कांस्टेबल बिक्सी राजपूत सहित अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्र एवं मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. सुधा लाम्बा ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि "नारी सशक्त होगी तो राष्ट्र सशक्त होगा।" उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास, शिक्षा एवं आत्मरक्षा को जीवन का आधार बनाने का संदेश दिया। डॉ. लाम्बा को मार्वुलस मिसेज इंडिया 2025, मिसेज ब्यूटीफुल हेयर , मिसेज इंडिया द गॉडेस 2026 ,डिजिटल स्टार,बेस्ट ड्रेस्ड ,ब्यूटी बियॉन्ड टाइमजैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि आज की नारी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही है। महिला उपनिरीक्षक निशिका ने प्रभावी संचालन करते हुए छात्राओं को जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि छात्राओं को शिक्षित एवं स्वावलंबी बनाना ही सच्चे अर्थों में महिला सशक्तिकरण है। विद्यालय प्रशासन छात्राओं की सुरक्षा एवं गरिमा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में विद्यालय के उपप्रधानाचार्य शिवकुमार निगम, वरिष्ठ अध्यापक संजय वर्मा, स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ल, कार्यक्रम प्रभारी श्रीनिवास शर्मा, डॉ. राकेश कुमार राही, विश्वजय सिंह, संग्राम सिंह, दिमान सिंह, श्रीमती अंजलि वर्मा, पारस दीक्षित सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन पर विशेष प्रकाश डाला गया। छात्राओं को घरेलू हिंसा अधिनियम, पॉक्सो एक्ट, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम एवं साइबर अपराध से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112 एवं 1098 के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया।

जीआईसी आडिटोरियम में मेगा विधिक सेवा शिविर आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशों के अनुक्रम में श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में दिनांक- 22 फरवरी, 2026 को आयोजित किए जाने वाले मेगा/वृहद विधिक जागरूकता व सेवा शिविर एवं दिनांक- 14 मार्च 26 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से आज दिनांक 12फरवरी.2026 को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में ए0डी0आर0 भवन में विचार विमर्श बैठक का आयोजन किया गया। सभी तहसीलों के तहसीलदार/ सचिव के प्रतिनिधि इस बैठक में उपस्थित रहें।

आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांकित-14 मार्च 26 में अधिक से अधिक राजस्व वादों के निस्तारण हेतु तहसील स्तर पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। सभी तहसीलदार अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित राजस्व मामलों (सीमांकन, बंटवारा, सीमा विवाद, भूमि संबंधी वाद) का शीघ्र चिन्हांकन करें। चिन्हांकित मामलों में पक्षकारों को समझौता हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए गए। राजस्व निरीक्षक, लेखपाल एवं अन्य अधिकारी एवं अधिकार मित्र ग्राम स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएँ। इसके अतिरिक्त दिनांक-22फरवरी.2026 को जी0आई0सी0 आडिटोरियम, बाराबंकी में प्रस्तावित मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में निःशुल्क विधिक परामर्श, प्राथमिकता प्राप्त मामलों का निस्तारण, पीड़ित प्रतिकर योजना, कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी एवं पंजीकरण आदि की सुविधा उपलब्ध रहेगी। राज्य सरकार की निःशुल्क व लाभकारी योजनाओं के पात्र व्यक्तियों का चयन, उनका पंजिकरण लघु शिविरों के माध्यम से तहसील स्तर पर कराते हुये चिन्हित लाभार्थियों को लाभ प्रदान करने के लिए मेगा शिविर में लाना सुनिश्चित करें।

सचिव, डालसा ने मेगा विधिक सेवा शिविर एवं राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

निर्देश : कहा कि एहसी व्यवस्था सुनिश्चित करें जिससे फाटक के आस-पास जाम की समस्या उत्पन्न न हो

जिलाधिकारी ने लड्डूमार और लट्ठमार होली की तैयारियों का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने रंगीली चौक, कटारा चौक, लाडो गेट, सुदामा चौक, श्री राधा रानी जी मंदिर को जोड़ने वाले समस्त मार्गों व गलियों तथा प्रवेश व निकास द्वारों, श्री राधा रानी जी मंदिर आदि का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सीढ़ियों के आस पास पेंटिंग करने के निर्देश दिए।

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने तहसील गोवर्धन के अंतर्गत नगर पंचायत बरसाना में आयोजित विश्व प्रसिद्ध लडडूमार होली तथा लठामार होली की तैयारियों के सम्बन्ध में निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने गोवर्धन से बरसाना की ओर पड़ने वाले रेलवे फाटक के आस पास का जायजा लिया। उन्होंने फाटक के दोनों ओर यातायात प्रबंधन हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एहसी व्यवस्था सुनिश्चित करें जिससे फाटक के आस-पास जाम की समस्या उत्पन्न न हो।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बरसाना स्थित हेलीपैड स्थल का

निरीक्षण किया तथा आस-पास अभियान चलाकर साफ-सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हेलीपैड के चारों ओर बैरिकेडिंग सुनिश्चित करें तथा दीवारों पर वॉल पेंटिंग कराए। जिलाधिकारी ने ड्रेन का निरीक्षण किया तथा सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि व्यापक स्तर पर ड्रेन की सफाई करे तथा ड्रेन के आस-पास हुए अतिक्रमण को हटवाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए कि अवैध होर्डिंग को हटाए। जिलाधिकारी ने नगर पंचायत बरसाना में मेला क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण करते हुए निर्देशित किया कि समस्त ट्रांसफार्मर एवं विद्युत के खंभों पर प्लास्टिक रैपिंग सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए कि बरसाना क्षेत्र को थीम आधारित वॉल पेंटिंग से आकर्षित बनाए।

एस0पी0 ग्रामीण को निर्देश दिए

जिलाधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था के सम्बंध में एस0पी0 ग्रामीण को निर्देश दिए कि सीसीटीवी कैमरे एवं कंट्रोल रूम के माध्यम से सम्पूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी सुनिश्चित करें। जहां आवश्यकता है, वहां नए सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए। थाना प्रभारी को निर्देश दिए कि असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर बनाए रखे, अफवाह फैलाने वालों पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा ड्रोन के माध्यम से मेला क्षेत्र की नियमित समीक्षा करते रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि सुरक्षा के दृष्टिगत जो भी महत्वपूर्ण कदम उठाने है, उन्हें पहले से इंगित करते हुए कार्य सुनिश्चित करे। बैरियर, कंट्रोल रूम एवं वॉचटावर पर एक्टिव अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाए, जो स्थिति के अनुसार तेजी से अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नकली गुलाल का प्रयोग एवं बेचने वालों पर कठोर कार्यवाही करे।

जलती चिता से लड़की की लाश निकाली

आगरा। आगरा में पुलिस ने जलती चिता से युवती की लाश निकाली। वह बीते पांच साल से लिव इन में रह रही थी। युवती धर्म से मुस्लिम, जबकि लड़का हिंदू है। उसकी मौत के बाद साथ रहने वाला युवक अंतिम संस्कार के लिए ले गया था। तभी शिकायत पर पुलिस पहुंच गई। युवती के पिता ने बताया- मेरी बेटी की मौत नहीं हुई। उसकी हत्या की गई है। आरोपी 5 साल पहले नाबालिग बेटी को फुसला कर भगा ले गया था। इसके बाद से दोनों साथ रह रहे थे। आज वो उसकी हत्या करके चोरी से अंतिम संस्कार करने जा रहा था। घटना बुधवार दोपहर किरावली के जाजऊ गांव की है। किरावली के रहने वाले निजाम ने बताया कि बेटी सना (21) अजीत सिंह के साथ 5 साल से लिव इन में रह रही थीं। अजीत सिंह फाइनेंस का काम करता था। उसका हमारे घर आना-जाना था। उस समय जब वो नाबालिग थी, तभी अजीत उसे बहला-फुसलाकर उसको भगा ले गया था।

इस हद तक अतिक्रमण कि शहर का अस्तित्व लुप्त होता प्रतीत

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । शहर पहले से ही समस्याओं से घिरा हुआ था, लेकिन अब यह एक ऐसा शहर बनता जा रहा है जहां हर तरफ समस्याओं का पहाड़ दिखाई देता है, और इस भूलभुलैया में, शहर का अस्तित्व लुप्त होता प्रतीत होता है। शहर के बीचोंबीच सड़कों और राजमार्गों पर इस हद तक अतिक्रमण हो गया है कि सड़कें ठीक से दिखाई भी नहीं देतीं। स्थानीय निवासियों की लापरवाही और नगरपालिका प्रशासन के ढीले कामकाज के कारण, कई सड़कों पर वाहनों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। आवश्यक नहीं .. ? यद्यपि , सड़क सुरक्षा एक ऐसा विषय या समस्या जिस पर ध्यान देना अति आवश्यक , जिस पर अक्सर सार्वजनिक चर्चा होती रहती हैं । चर्चा इसलियें कि जो वाहन चालकों और पैदल यात्रियों से लेकर साइकिल चालकों और यात्रियों तक, सभी सड़क उपयोग-

कर्ताओं को प्रभावित करता है। सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में सभी को जागरूक रहना चाहियें। आवश्यक रहें , एक स्थान से दूसरें स्थान के लियें हम सभी लियें सुगम आवागमन रास्ता तैयार हो । सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन करने का मामला नहीं है; यह एक साझा ज़िम्मेदारी है जिसके लिए सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच सहयोग, सतर्कता और सम्मान की आवश्यकता होती है। बिडम्बना देखें कि छाया चौराहें पर पैदल रास्ता दिखाई तक नहीं देता हैं । आश्चर्य ही सम्बंधित विभाग अधिकारियों की कार्यशैली , व्यथित ! क्या ऐसे होगा ?

जीजा के साथ भागने पर बोली- अपने तरीके से जीना चाहती हूं, 10 महीने बाद इस मामले में नया मोड़ आया

अलीगढ़ में दामाद से शादी करने वाली सास थाने पहुंची

शिकायत

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ की इस महिला को पहचानते हैं आप? यह वही महिला है, जो अपनी बेटी की शादी से 10 दिन पहले दामाद के साथ भाग गई थी। अब 10 महीने बाद इस मामले में नया मोड़ आ गया। 11 फरवरी (बुधवार) को दामाद यानी महिला के दूसरे पति ने थाने में शिकायत दी। कहा कि उसकी पत्नी अपने जीजा के साथ भाग गई। हालांकि, पुलिस ने इसे बिहार का मामला बताकर पति को लौटा दिया। मामला सामने आने के बाद महिला घूंघट में गुरुवार को थाने पहुंच गई। उसने जीजा के साथ भागने के आरोपों को झूठा करार दिया। कहा- मेरा दामाद के साथ रहने का फैसला गलत था। अब मैं अपने तरीके से जिंदगी जीऊंगी।

38 साल की अनीता देवी उस वक्त सुर्खियों में आई थी, जब वह 6 अप्रैल, 2025 को गायब हो गई थी। पुलिस ने 18 अप्रैल को उसे हिरासत में लिया था। थाने में काउंसिलिंग कराई गई, लेकिन वह पति के साथ जाने के बजाय दामाद राहुल के साथ चली गई थी। इसके बाद से उसी के साथ रह रही थी।

परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन दोनों का कोई पता नहीं चला। पांच दिन बाद राहुल ने अपने पिता को फोन कर कहा कि उसे ढूंढने की कोशिश न करें, वह वापस नहीं आएगा।

तस्वीर दामाद राहुल और उसकी सास अनीता की है। दोनों 10 महीने से साथ रह रहे थे।

दामाद बोला- सास ने धोखा दिया

दामाद राहुल ने बुधवार को दादों थाने में शिकायत दी। इसमें राहुल ने कहा- मैं बिहार में फेरी लगाकर कपड़े बेचने का काम करता हूं। 15 दिन पहले मेरी पत्नी अनीता का अपने जीजा से संपर्क हुआ। मैंने दोनों की फोन पर हुई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग सुनी है। ऑडियो में दोनों एक साथ रहने की बात कर रहे थे। दोनों ने मुझे जहर देकर साथ भागने की योजना बनाई थी। 6 फरवरी को पत्नी अनीता (पहले सास) ने मुझे धोखा दिया और अपने जीजा के साथ चली गई। वह 2 लाख रुपए कैश और जेवर भी साथ ले गई। इसलिए मेरी पत्नी को पकड़ा जाए।

महिला बोली- मेरा फैसला गलत निकला

मीडिया में मामला सामने आने के बाद अनीता गुरुवार को थाने पहुंच गई। उसने पुलिस से कहा- मैं अपने बच्चों को छोड़कर दामाद के साथ चली गई थी। इसका मुझे अब बहुत अफसोस है। मेरा फैसला गलत निकला। राहुल (दामाद) मुझे धमकाता और परेशान करता है। वह महिलाओं को बेचने का काम करता है।

अब मैं राहुल से अलग रहकर मेहनत-मजदूरी करना चाहती हूं। अपने बच्चों के पास रहना चाहती हूं, लेकिन राहुल ने मुझे बच्चों के पास जाने से मना कर दिया। राहुल ने मेरे साथ मारपीट की, मेरे जेवर और रुपए हड़प लिए। इसलिए मैंने उसे छोड़ दिया।

यह महिला की बेटी की तस्वीर है। उसकी शादी अभी तक कहीं तय नहीं हुई है।

बेटी की शादी से 10 दिन पहले दामाद के साथ भागी थी

अनीता का पहला पति जितेंद्र कुमार है और उनकी बेटी शिवानी मडराक थाना क्षेत्र के गांव मनोहरपुर कायस्थ में रहती है। जितेंद्र ने बेटी की शादी 16 अप्रैल 2025 को दादों थाना क्षेत्र के रिया नगला गांव निवासी राहुल के साथ तय की थी। राहुल उत्तराखंड के रुद्रपुर में एक निजी कंपनी में सुपरवाइजर था।

घटना : पत्नी की हत्या कर फंदे से लटका पति

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में ससुराल पहुंचे एक दामाद ने पत्नी की हत्या कर दी। फिर खुद फंदे से लटककर जान दे दी। बताया जा रहा है कि पत्नी से झगड़ा करने पर ससुरालियों ने उसे सबके सामने फटकार लगाई थी, जिससे वह आहत था।

युवक के ससुर ने बताया- गुरुवार सुबह काफी देर होने पर भी बेटी-दामाद कमरे से बाहर नहीं निकले। हम लोगों ने आवाज दी। मगर कोई जवाब नहीं आया। दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो बेटी का शव बेड पर पड़ा था, जबकि दामाद पंखे से लटका हुआ था।

दामाद दिल्ली से एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने आया था। बेटी की शादी चार साल पहले हुई थी। पुलिस की जांच में सामने आया है कि युवक ने पत्नी की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली।

अकराबाद के धौरी गांव के मनीष कुमार की बेटी शिवानी (24) की शादी चार साल पहले सुनील के साथ हुई थी। वह दिल्ली के मजनू टीला का रहने वाला था। वह दिल्ली में मोबाइल रिपेयरिंग और रिटेल बिक्री का काम करता था। शिवानी के पिता मनीष कपड़े प्रेस करने का काम करते हैं। पिता मनीष ने बताया- शादी के बाद से ही बेटी-दामाद के बीच झगड़ा होने लगा था। कुछ दिन पहले शिवानी का अपनी सास के साथ झगड़ा हुआ। जिसके बाद वह नाराज होकर अपने मायके आ गई। वह हम लोगों के साथ ही रह रही थी। शिवानी के ममेरे भाई की मंगलवार को शादी थी। सुनील दिल्ली से इसमें शामिल होने के लिए आया था।

एक दिवसीय शिविर आयोजित

कार्यक्रम में नृत्य एवं गीत आदि की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गयी

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। आज बरेली कॉलेज बरेली की छात्रा इकाई प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय द्वारा तीसरा, एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती की वंदना एवं पुष्पार्चन के साथ किया गया।

तदुपरांत कार्यक्रम के प्रथम चरण मे एन एस एस छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य एवं गीत आदि की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गयी।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में पर्यावरण विज्ञान विभाग के डॉ जसपाल सिंह द्वारा "पर्यावरण संरक्षणः एक नवीन दृष्टि" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने विस्तार से पर्यावरण प्रदूषण के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया और वायु प्रदूषण, स्टोन लेप्रोसी जैसे बिंदुओं को एनवायरनमेंटल अर्थशास्त्र से जोड़ते हुए उनके महत्व के बारे में बताया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति एनएसएस के वॉलिंटियर्स को जागरूक किया गया और प्रतिज्ञा दिलाई गई की वे सदैव पर्यावरण की रक्षा करेगी और एक पेड़ अवश्य लगाएंगी।

कार्यक्रम के तृतीय चरण में एनएसएस वॉलंटियर्स के द्वारा बरेली कॉलेज परिसर व मलिन बस्ती में पर्यावरण संरक्षण पर रैली निकाल कर लोगों को जागरूक किया।इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमिता गुप्ता, डॉ. अजिता सिंह तिवारी, डॉ. शीतल गुप्ता पर्यावरण बाबा रामवीर शर्मा शोध छात्र मुकेश कुमार पर्यावरण विज्ञान सहित बड़ी संख्या में एनएसएस वॉलिंटियर्स उपस्थित रहे।

'ठाकुर हूं' कहने वाली बोली मेरे चरित्र पर दाग लगाया, ऋतु त्रिपाठी को शर्म आनी चाहिए

'मन कर रहा सुसाइड कर लूं'

ऋतु बोलीं-मैं कानपुर की बेटी, मेरी इज्जत बचाएं...

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । 'मैं ठाकुर हूं' कहने के बाद चर्चा में आई HDFC बैंक की रिलेशनशिप मैनेजर आस्था सिंह भदौरिया ने कहा कि उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। वह मानसिक तनाव में हैं और उन्हें ऐसा लग रहा है कि सुसाइड कर लें। आस्था ने कहा कि ऋतु त्रिपाठी ने सीधे उनके चरित्र पर उंगली उठाई है। जब लोगों को कुछ नहीं मिलता, तो वे महिलाओं के चरित्र पर सवाल उठाने लगते हैं। उन्होंने कहा कि उनके चरित्र से बड़ा दाग और क्या लगाया जा सकता है। ऋतु को शर्म आनी चाहिए, क्योंकि गलती उनके पति की है।

दरअसल, कानपुर का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें HDFC बैंक की कर्मचारी आस्था सिंह दूसरी कर्मचारी ऋतु त्रिपाठी और उनके पति से कहती नजर आ रही हैं— "मैं ठाकुर हूं, तेरी ऐसी की तैसी कर दूंगी।" गुस्से में वह लैपटॉप उठाकर किसी पर हमला करने की कोशिश करती भी दिखाई देती हैं। 6 जनवरी का यह वीडियो 8 फरवरी को सामने आया था। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर ऋतु त्रिपाठी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह कह रही हैं कि जिसके परिवार की बेज्जती हुई, वह मैं हूं। जिसको गालियां सुनाई गईं वह मैं हूं। इतना सब होने के बाद भी मैंने वीडियो वायरल नहीं किया।झठे वीडियो वायरल करके रानी लक्ष्मीबाई बनने की चाहत नहीं है मेरे अंदर। मैं ब्राह्मण हूं, मुझे इस बात का गर्व है।

सेल्स जॉब में बाहर जाना काम का हिस्सा

ऋतु के सीनियर्स के साथ घूमने-फिरने के आरोपों पर आस्था ने कहा कि उनकी प्रोफाइल सेल्स की है, जिसमें बाहर जाकर क्लाइंट्स से मिलना और विजिट करना नौकरी का हिस्सा होता है। उन्होंने कहा, "सेल्स की जॉब में बाहर निकलना पड़ता है, कॉल पर जाना और क्लाइंट्स से मिलना पड़ता है। मैं इंसेक्योर नहीं हूं। जब कुछ नहीं मिला तो मेरे चरित्र पर सवाल उठाए गए।"

आस्था के मुताबिक वह 15 दिसंबर 2025 से बैंक में कार्यरत हैं, जबकि ऋतु त्रिपाठी खुद पांच साल से वहां काम करने की बात कह रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि 15 दिन पहले जॉइन करने वाला कर्मचारी पांच साल पुराने कर्मचारी को कैसे धमका सकता है। आस्था ने कहा- मेरा ऋतु के पति और ननद से विवाद हुआ। वो दोनों सामने क्यों नहीं आ रहे हैं। ऐसी क्या मजबूरी पड़ गई कि ऋतु त्रिपाठी को आकर सामना करना पड़ रहा है।

आस्था बोलीं-मुझे डीफेम किया गया

रिपोर्टर से बात करते हुए आस्था ने बताया कि उन्होंने पूरे मामले की शिकायत पनकी थाने में की है और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई चाहती हैं। उन्होंने कहा, "मुझे डीफेम किया गया है। मैं मानहानि का केस करूंगी। जाति को लेकर सिर्फ 'ठाकुर' शब्द का मुद्दा बनाया गया। आपने मेरी जाति पूछी, तो मैंने कहा कि मैं ठाकुर हूं और मुझसे तमीज से पेश आने को कहा। इसके बाद एक महीने बाद वीडियो इरादतन वायरल किया गया।" उन्होंने कहा कि जब कोई ठोस बात नहीं मिली तो भावनात्मक तरीके से मामला पेश किया गया।

कानपुर में दबंगों ने कार पर बम फोड़े

कानपुर । कानपुर के रावतपुर थाना क्षेत्र में दबंगों ने रात करीब दो बजे घर के बाहर खड़ी कार में बम फोड़कर दहशत फैला दी। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। बाहर देखा तो कार धू-धू कर जल रही थी। कार मालिक ने तत्काल 112 नंबर पर सूचना दी। मौके पर पहुंची रावतपुर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

हसनपुर निवासी मनमोहन यादव, जो निजी नौकरी करते हैं, ने बताया कि वह रात करीब 9 बजे ऑफिस से लौटे और कार घर के बाहर खड़ी कर दी थी। देर रात करीब 2 बजे जोरदार धमाका हुआ। बाहर निकलने पर कार में आग लगी मिली। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले गाड़ी निकालने को लेकर दो बाइक सवार युवकों से कहासुनी हुई थी। इसके अलावा उनकी किसी से रंजिश नहीं है। आशंका है कि उसी विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया। डीसीपी वेस्ट कासिम आबिदी ने बताया कि 112 के माध्यम से सूचना मिली थी।

2023 से 2025 में पंजीकृत वाहन चालक 10 दिन में आरटीओ काउंटर 10 पर दें विवरण

ऑटो-टैक्सी चालकों को मिलेगा पांच लाख का आयुष्मान बीमा

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी । श्री एस० के० अग्रवाल, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) ने जानकारी देते हुए बताया कि मा० मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के लोक कल्याण संकल्प पत्र 2022 के अन्तर्गत ऑटो रिक्शा व टैक्सी चालकों को आयुष्मान भारत के अन्तर्गत रू0 5.00 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाना है, जिसमें प्रदेश में संचालित समस्त ऑटो व टैक्सी चालकों एवं उनके आश्रितों को सम्मिलित किया गया है। ज्ञातव्य हों कि दिसम्बर 2022 से पूर्व पंजीकृत उक्त श्रेणी के वाहन चालकों का विवरण पूर्ण करा लिया गया था। वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 में जिन ऑटो रिक्शा एवं टैक्सी का पंजीयन हुआ है, उनके वाहन चालक सम्भागीय परिवहन कार्यालय, झाँसी के काउण्टर नम्बर 10 से उक्त विवरण प्रदान करने के सम्बन्धित प्रारूप प्राप्त कर अगले 10 दिन में वांछित सूचनाओं के साथ अपना प्रपत्र काउण्टर नं0 10 पर जमा कर दें, जिससे आयुष्मान योजना के अन्तर्गत चिकित्सा लाभ प्रदान किये जाने सम्बन्धित कार्यवाही को अग्रसारित किया जा सके।

वाहन स्वामी से प्रारूप का सत्यापन कराना होगा

वाहन चालक द्वारा उक्त योजना का लाभप्राप्त करने के लिए सम्बन्धित वाहन स्वामी से प्रारूप का सत्यापन कराना होगा। जैसा कि उपरोक्त विवरण से स्पष्ट है कि जनपद के ऑटो रिक्शा एवं टैम्पो टैक्सी के वाहन स्वामी अपने चालकों के हित में एवं यदि वह स्वयं अपने वाहन का संचालन करते है, तो कार्यालय से उक्त प्रारूप प्राप्त कर योजना के लाभ हेतु आवेदन कर सकते है।

श्री एस० के० अग्रवाल, एआरटीओ ने बताया कि उपरोक्त योजना वाहन चालकों के लिए है, अतः वाहन चालक एवं उनके परिवार सदस्यों के आधार कार्ड एवं परिवारिक सदस्यता सिद्ध करने के लिए, राशन कार्ड की प्रति अथवा अन्य प्रमाण पत्र लगाना आवश्यक है।

अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ शिकायत करने वाले को धमकी

फोन पर कहा- गाड़ी में आग लगवा देंगे, बालकों की हत्या कराएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में बच्चों के यौन शोषण का आरोप लगाया। 8 फरवरी को प्रयागराज की स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में वाद (शिकायत) दायर किया।

अब वाद दायर करने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज को धमकी मिली है। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने प्रयागराज पुलिस के अधिकारियों को एप्लिकेशन भेजकर धमकी देने, वाहन में आग लगवा देने, कोर्ट में पेश होने वाले नाबालिगों को मरवा देने की धमकी का आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि फोन कर धमकी दी गई। इसके बाद वॉट्सऐप कॉल पर भी धमकाया गया। आशुतोष ब्रह्मचारी ने आरोप लगाया कि 11 फरवरी 2026 की रात लगभग 9.16 बजे कॉल आई। इसमें कोर्ट में उपस्थित होने पर वाहन में आग लगवाने की धमकी दी गई।

नाबालिग पीड़ित बालक की हत्या कराए जाने की धमकी दी गई, लंबित शिकायतें वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया। इसके बाद उसी नंबर से रात 9.29 और 9.31 बजे वॉट्सऐप पर वीडियो और वॉइस कॉल आई। वीडियो कॉल में हथियार जैसा कुछ दिखा कर डराया गया। अश्लील और आपत्तिजनक शब्द बोले। नाबालिग बालक के संबंध में अभद्र टिप्पणियां की गईं। नग्न होकर अश्लीलता की गई। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज के इन आरोपों और पुलिस की कार्रवाई को लेकर कोई भी पुलिस अफसर इस पर बोलने को तैयार नहीं है। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में बच्चों के यौन शोषण का आरोप लगाया है। उन्होंने 8 फरवरी को प्रयागराज की स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में वाद (शिकायत) दायर करके कहा- गुरुकुल की आड़ में वह बाल उत्पीड़न करते हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

विधानसभा में पहली...

मंत्री गिरीश यादव खड़े हुए। उन्होंने कहा- मैं हर खेलों में आगे रहा हूं। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना खेल मंत्री गिरीश के बचाव में उतरे। कहा- मंत्रीजी रेसलिंग करते हैं। किसी दिन यहां कुश्ती करवा देंगे। सतीश महाना ने चुटकी लेते हुए कहा- कुश्ती विधानसभा में नहीं होगी। बाहर ही होगी। इस पर वित्त मंत्री ने कहा- बाहर ही सही, लेकिन कुश्ती करा देंगे।

इससे पहले विधानपरिषद में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा पर भड़क गए। कहा- इनकी गलती नहीं है, इनके नेता का यही कल्चर है। सिर्फ बिल्डिंग से अस्पताल नहीं चलता। इन्होंने कुकर्म किए हैं। कुकर्म इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि अगर ये अस्पताल बनाते हैं तो ठेका चाचा और भतीजे को दे देते हैं। बिल्डिंग बनाकर लूटने का काम किया।

ब्रजेश पाठक भड़के...

जवाब में ब्रजेश पाठक ने कहा- बाबा साहेब के नाम पर मेडिकल कॉलेज था, लेकिन नाम ही बदल दिया गया। यह शर्म की बात है। इस पर सपा एमएलसी ने नाराजगी जताई। उन्हें सभापति ने टोका और कहा- कहते हैं तो सुनते भी।

इसी बीच ब्रजेश पाठक ने कहा- सभापति महोदय, इनकी गलती नहीं है। इनके नेता का यही कल्चर है। फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई। कहा- हमारे गांव में भैंस का पड़वा मर जाता है, तो धोखा (पुतला) बनाकर उससे दूध निकाला जाता है। लेकिन ये लोग गाय का बच्चा भैंस के सामने लगा देते हैं और दूध निकालने का प्रयास करते हैं।

कई बिल्डिंग बनाकर छोड़कर चले गए। केवल बिल्डिंग से अस्पताल नहीं चलता। जो इन्होंने कुकर्म किए हैं। इस पर सपा एमएलसी भड़क गए। उन्होंने कहा- "कुकर्म" शब्द को सदन की कार्यवाही से हटाया जाए।

लेंबोर्गिनी कांड का...

खुद को छिपाए रखने के आधार पर उसे गिरफ्तार किया।

मेडिकल कराने के बाद पुलिस शिवम को AJCM कोर्ट लेकर पहुंची। कोर्ट के बाहर वीडियो बनाने पर शिवम मीडिया-कर्मियों पर भड़क गया। इशारों में कहा- वीडियो क्यों बना रहे हो? पेशी के दौरान शिवम बीमार नजर आया। उसके हाथ में वीगो लगी थी। पुलिसवाले और रिश्तेदार उसे सहारा देते नजर आए।

कानपुर में वीआईपी रोड इलाके पर 8 फरवरी को करीब 14 करोड़ की लेम्बोर्गिनी ने 6 लोगों को टक्कर मार दी थी। कार आर्यनगर में रहने वाले कारोबारी केके मिश्रा का बेटा शिवम चला रहा था। हादसे के बाद पुलिस कार को थाने ले आई। कवर से ढक दिया था।

तंबाकू कारोबारी ने...

कमिश्नर के इस बयान पर केके मिश्रा भड़क गए थे। कहा था कि कानपुर कमिश्नर झूठ बोल रहे।

फिर बुधवार (11 फरवरी) को कानपुर कोर्ट में मोहन नाम का शख्स सरेंडर करने पहुंचा। उसने दावा किया कि हादसे के वक्त लेम्बोर्गिनी कार वह खुद चला रहा था। हालांकि, कोर्ट ने ड्राइवर मोहन की अर्जी खारिज कर दी। उसे लेम्बोर्गिनी केस में आरोपी नहीं माना।

राजस्थान में गर्मी...

हालांकि प्रदेश के 10 कस्बों में तापमान 5 डिग्री से नीचे चल रहा है।

जम्मू कश्मीर में मंगलवार-बुधवार को कुछ जगहों पर बर्फबारी से सर्दी बढ़ गई। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 9 दिन तक प्रदेश में कहीं भी भारी बर्फबारी नहीं होगी।

प्रदेश में सर्दी का असर कम होने लगा है। दिन-रात का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। बुधवार को राज्य के 25 शहरों का तापमान 25 से 31 डिग्री के बीच रिकॉर्ड हुआ। बीकानेर संभाग के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ में दिन में हल्की धुंध, बादल से धूप कमजोर रही। बुधवार को सबसे ज्यादा तापमान चित्तौड़गढ़ में दर्ज हुआ। यहां पारा 31 तक पहुंचा।

'राहुल गुमराह कर...

जो भी ट्रेड डील किसानों की रोजी-रोटी छीने या देश की खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे, वह किसान-विरोधी है। अन्नदाताओं के हितों से किसान-विरोधी मोदी सरकार को समझौता नहीं करने देंगे।

इससे पहले, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने X पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें 4 फरवरी को लोकसभा स्पीकर के चैंबर में हंगामे का जिक्र है। रिजिजू ने दावा किया है कि विपक्षी सांसदों ने प्रियंका गांधी की मौजूदगी में गालियां दीं।

हालांकि प्रियंका ने कहा कि गालियां देने वाली बात झूठी है। उन्होंने किसी को नहीं उकसाया। वे चुपचाप थीं। आखिर में केवल शांति से अपनी बात रखी थी।

उन्होंने कहा कि सरकार देश में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। कुछ लोगों का आरोप है कि स्वास्थ्य क्षेत्र पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, लेकिन सरकार भारत को वर्ल्ड हेल्थकेयर डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

बांग्लादेश चुनाव...

झेनाइदाह-1 (शैलकुपा) सीट से BNP उम्मीदवार मोहम्मद असदुज्जमान और कुमिल्ला-4 सीट से (NCP) के उम्मीदवार हसना अब्दुल्ला जीत गए हैं। देशभर में आज दोपहर 2 बजे तक देश के 36 हजार वोटिंग सेंटर्स पर 47.91% मतदान हुआ।

अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस, BNP चीफ तारिक रहमान और छात्र नेता नाहिद इस्लाम वोट डालने पहुंचे। इस दौरान यूनुस ने कहा कि आज नए बांग्लादेश का जन्म हुआ।

दूसरी तरफ पूर्व PM शेख हसीना ने चुनाव को फर्जी बताते हुए रद्द करने की मांग की है। साथ ही यूनुस से इस्तीफा भी मांगा हैं।

झेनाइदाह-1 (शैलकुपा) सीट से BNP उम्मीदवार मोहम्मद असदुज्जमान ने जीत हासिल की है।

बांग्लादेशी अखबार प्रोथोम ओलो की रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें 1,71,598 वोट मिले। दूसरे नंबर पर रहे जमात के उम्मीदवार अबू सालेह मोहम्मद मतिउर रहमान को 55,577 वोट मिले।

बांग्लादेश में वोटिंग...

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि नतीजे आने के बाद ही यह देखा जाएगा कि जनादेश किस तरह का है।

114 नए राफेल...

इन सभी सौदों की कुल कीमत 3.60 लाख करोड़ रुपए है।

एयरफोर्स ने सितंबर 2025 में 114 अतिरिक्त राफेल जेट की मांग रक्षा मंत्रालय को भेजी थी। एयरफोर्स के पास पहले से 36 राफेल विमान है, जबकि नौसेना ने 26 मरीन वेरिएंट राफेल का ऑर्डर दिया है।

अंबाला एयरबेस पर राफेल का ट्रेनिंग और MRO (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सेंटर पहले से चालू है। एयरफोर्स के पास तुरंत दो स्क्वाड्रन (36–38 विमान) शामिल करने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेयर पार्ट्स और प्रशिक्षित स्टाफ मौजूद है।

मेक इन इंडिया के...

इंजन निर्माता साफ्रान और एवियोनिक्स कंपनी थेल्स भी इस प्रक्रिया का हिस्सा होंगी। टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पूरा होने के बाद इन विमानों में स्वदेशी कंटेंट 55 से 60 फीसदी तक होने की उम्मीद है।

कोडीन कफ सिरप...

ऐसा ही एक मुकदमा वाराणसी के सारनाथ थाने में लिखा गया था। इसमें ड्रग इंस्पेक्टर की कार्रवाई में सामने आया कि कुछ फर्जी फर्म एमके हेल्थकेयर प्रयागराज और पीडी फार्मा सारनाथ वाराणसी द्वारा कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी की जा रही है।

पुलिस की जांच में सामने आया कि कानपुर के बिरहाना रोड स्थित अग्रवाल ब्रदर्स जिसके मालिक विनोद अग्रवाल हैं। इनके द्वारा भी दोनों फर्मों पर कोडीन युक्त कफ सिरप की फर्जी बिलिंग की गई है।

बोले-मेरा लक्ष्य देश के लिए ट्रॉफी जीतना है, बीसीसीआई ने कॉन्ट्रैक्ट में ग्रेड-बी में रखा

रोहित शर्मा 2027 वर्ल्ड कप खेलने को तैयार

बयान

दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने वनडे भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर विराम लगा दिया है। 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में अपनी भागीदारी को लेकर रोहित ने बड़ा बयान दिया है। टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके रोहित अब केवल वनडे फॉर्मेट में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं। 2027 में जब वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू होगा, तब रोहित 40 साल के होंगे। हालांकि, रोहित ने

साफ किया है कि उनका लक्ष्य अभी भी टीम के साथ वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाना है और वह इसके लिए खुद को फिट रखने के लिए कड़ी मेहनत करने को तैयार हैं।एक ICC इवेंट के दौरान रोहित ने कहा,'मैं निश्चित रूप से वहां जाना चाहता हूं और अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीतना चाहता हूं। यह कुछ ऐसा है जिसे मैंने हमेशा देखा है। मैं 50 ओवर का वर्ल्ड कप देखते हुए बड़ा हुआ हूं। तब कोई टी-20 वर्ल्ड कप या IPL नहीं था। यह क्रिकेट का शिखर था जो हर चार साल में होता था।' BCCI ने खिलाड़ियों के सालाना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की नई लिस्ट जारी की है। इसमें एक बड़ा बदलाव करते हुए A+ कैटेगरी को खत्म कर दिया गया है, जिसमें पहले खिलाड़ियों को 7 करोड़ रुपए मिलते थे। रोहित शर्मा और विराट कोहली को अब ग्रेड-B में रखा गया है।

रोहित शर्मा के लिए सबसे बड़ी चुनौती उम्र और फिटनेस होगी। 2027 तक उनकी उम्र 40 पार कर जाएगी। क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि रोहित जिस तरह की फॉर्म में हैं, अगर वह अपनी फिटनेस बरकरार रखते हैं तो 2027 में भारत के लिए ओपनिंग की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। फिलहाल उनका पूरा ध्यान 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी और उसके बाद वर्ल्ड कप के रोडमैप पर है।

रोहित बोले-बचपन से 50 ओवर के वर्ल्ड कप का सपना देखा

रोहित शर्मा ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि उस एक ट्रॉफी के लिए बहुत इंतजार और बेताबी रहती थी। उन्होंने कहा,'मुझे वह ट्रॉफी चाहिए, इसलिए मैं अपनी शक्ति और क्षमता के अनुसार कड़ी मेहनत करने और उसे हासिल करने की पूरी कोशिश करूंगा।' 38 साल के रोहित ने 2024 में भारत के टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था। वहीं, पिछले साल मई में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था। बोर्ड ने कुल 30 पुरुष और 21 महिला क्रिकेटरों को कॉन्ट्रैक्ट दिया है, जिन्हें ए, बी और सी ग्रुप में बांटा गया है।

पाकिस्तान से भी एक नंबर आगे निकला बांग्लादेश

बॉयकॉट विवाद से सरकार ने झाड़ा पल्ला

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के बीच बांग्लादेश क्रिकेट को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। पहले खिलाड़ियों और बोर्ड पर टूर्नामेंट का बहिष्कार करने का आरोप लगाने के बाद अब बांग्लादेश सरकार ने अपने बयान पर यू-टर्न लेते हुए सफाई दी है।

दरअसल, बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल (Asif Najrul on Bangladesh T20 World Cup Boycott) ने शुरुआती टिप्पणी में कहा था कि आगामी टी20 विश्व कप में हिस्सा न लेने का फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) और खिलाड़ियों ने लिया है। इस बयान से भ्रम और आलोचना दोनों पैदा हुए, क्योंकि इससे पहले सरकार ये कह चुकी थी कि यह फैसला सुरक्षा कारणों के आधार पर राज्य स्तर पर लिया गया था। क्रिकबज ने नजरुल के हवाले से कहा कि विश्व कप में नहीं खेलने पर अफसोस का कोई सवाल ही नहीं है। ये फैसला बीसीबी और खिलाड़ियों ने देश के क्रिकेट की सुरक्षा, जनता की सुरक्षा और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा के लिए लिया। इससे पहला नजरुल ने 22 जनवरी को कहा था कि मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम विश्व कप में खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है। नजरुल के अनुसार, जनवरी की शुरुआत में ही सरकार ने सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखते हुए टीम को भारत न भेजने का फैसला कर लिया था।

पंजाबी सॉन्ग की फैन हुई रसियन फिगर स्केटर

'ना दे दिल परदेसी नूं' सॉन्ग पर बर्फ में स्केटिंग प्रैक्टिस की

जालंधर, एजेंसी

रूसी फिगर स्केटर और ओलिंपियन अनास्तासिया गुबानोवा इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह मशहूर पंजाबी गायक मोहम्मद सदीक के गीत 'ना दे दिल परदेसी नूं' पर बर्फ पर स्केटिंग की प्रैक्टिस करती नजर आ रही हैं।

गुबानोवा का कहना है कि पंजाबी गीतों की जोशीली बीट उन्हें प्रैक्टिस के दौरान खास ऊर्जा देती है। इतना ही नहीं, वह भारतीय संस्कृति की भी प्रशंसक हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लाल ड्रेस और माथे पर बिंदी लगाए एक वीडियो पोस्ट किया, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया।गुबानोवा ने 6 फरवरी को

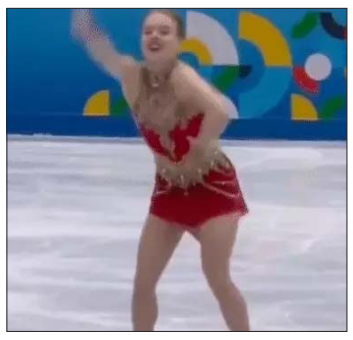

शुरू हुए विंटर ओलिंपिक में हिस्सा लिया था। वह ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। विदेशी स्केटर होने के बावजूद अनास्तासिया ने भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान दिखाया। लाल ड्रेस और माथे पर सजी बिंदी ने उनके लुक को खास बना दिया। उनके हाव-भाव और प्रस्तुति में भी भारतीय अंदाज की झलक साफ दिखाई दी, जिसने भारतीय दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया।

32 सेकेंड की क्लिप वायरल हुई

करीब 32 सेकेंड का यह वीडियो 8 फरवरी का है। इस वीडियो में गुबानोवा बर्फ पर शानदार मूव्स और जंप्स करती नजर आती हैं। स्केटिंग जैसे यूरोपीय खेल के साथ पंजाबी लोक संगीत का यह मेल दर्शकों को बेहद पसंद आ रहा है। गाने की हर बीट पर उनके स्टेप्स की मैचिंग उनकी महारत को दर्शाता है।

मैच से पहले बाबर आजम पर बरसे पूर्व पाक स्टार्स

नई दिल्ली। एक समय पाकिस्तान क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी रहे बाबर आजम अब टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नीदरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान के टी20 विश्व कप 2026 के शुरुआती मैच में 18 गेंदों पर 15 रन पर आउट होने के बाद, उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ 32 गेंदों में 46 रन बनाकर कुछ हद तक खुद को बचाया।

फिर भी, भारत के खिलाफ महामुकाबले से पहले बाबर अपनी फॉर्म और स्ट्राइक रेट को लेकर अपने ही देश के पूर्व क्रिकेटरों के निशाने पर आ गए हैं। हाल ही में एक लाइव टीवी शो के दौरान अहमद शहजाद, मोहम्मद आमिर और राशिद लतीफ ने बाबर का जमकर मजाक उड़ाया। दरअसल, पाकिस्तानी टीवी 'हारना मना है' में एंकर ताबिश हाशमी से चर्चा के दौरान इन पूर्व क्रिकेटरों ने बाबर की क्षमता पर खुलकर तंज कसा और हैरान करने वाली शर्तें लगा दीं।

व्यूअरशिप के रिकॉर्ड टूटे, टी-20 वर्ल्डकप के पहले दिन तीन मैच खेले गए थे

आईसीसी इवेंट इतिहास का सबसे बड़ा ओपनिंग डे

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 ने व्यूअरशिप के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। भारत और श्रीलंका में शुरू हुए टूर्नामेंट के पहले दिन का खेल 18.3 बिलियन मिनट बार देखा गया, जो ICC इवेंट के इतिहास की सबसे बड़ी ओपनिंग व्यूअरशिप बन गई है। अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 टी-20 वर्ल्ड कप की तुलना में ओपनिंग डे की व्यूअरशिप में 59% का इजाफा हुआ है। दर्शकों की रीच में भी उछाल देखने को मिला है। जियो-हॉटस्टार पर पहले दिन 10.1 करोड़ (101.9 मिलियन) लोगों ने मैच देखा, जो 2024 वर्ल्ड कप के मुकाबले 81% ज्यादा है। भारत-अमेरिका मैच ने सभी प्लेटफॉर्म्स पर रिकॉर्ड

व्यूअरशिप हासिल की। भारत ने 2024 वर्ल्ड कप में आयरलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेला था। इस मैच के मुकाबले भारत-अमेरिका मैच की टीवी रेटिंग 41% और डीजिटल रीच 98% बढ़ी है। ICC के चीफ कमर्शियल ऑफिसर अनुराग दहिया ने कहा कि T20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत जबरदस्त रही है। जियो-हॉटस्टार के साथ पार्टनरशिप से टीवी और डिजिटल दोनों प्लेटफॉर्म्स पर व्यूअरशिप में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि पहले ही दिन 18.3 बिलियन मिनट की कंजम्शन दिखाती है कि क्रिकेट के लिए लोगों

7 फरवरी को पहले मैच में भारत ने अमेरिका को 29 रन से हराया था।

में कितना जुनून है। जियोस्टार के स्पोर्ट्स CEO ईशान चटर्जी ने कहा कि 9 भाषाओं में कमेंट्री और शानदार मैचों ने पहले दिन ही फैंस को जोड़े रखा। उन्होंने यह भी बताया कि बढ़ती व्यूअरशिप से ब्रांड पार्टनर्स और स्टेकहोल्डर्स को भी जबरदस्त फायदा मिल रहा है। जियो-हॉटस्टार टूर्नामेंट को 9 भाषाओं में दिखा रहा है, जिसमें 130 से ज्यादा एक्सपर्ट कवरेज दे रहे हैं। मोबाइल यूजर्स के लिए मैक्सव्यू फीचर, जबकि भारत के मैचों में मूक-बधिरों के लिए इंडियन साइन लैंग्वेज जैसी सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं।

भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इस टूर्नामेंट के ब्रांड एंबेसडर हैं। उन्होंने वर्ल्ड कप को ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए रिपीट हिस्ट्री, डिफीट हिस्ट्री जैसे कई कैंपेन चलाए थे।

मनोरंजन

राजपाल यादव चेक बाउंस केस

जमानत याचिका पर आज सुनवाई पत्नी ने आर्थिक सहायता देने वालों का जताया आभार

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव ने चेक बाउंस मामले में गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद जेल में सरेंडर किया था। आज उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई होगी। राजपाल यादव इन दिनों न सिर्फ सरेंडर करने के बाद तिहाड़ जेल में बंद हैं, बल्कि वह आर्थिक तंगी का सामना भी कर रहे हैं और उनके पास इतनी बड़ी रकम लौटाने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। ऐसे में सलमान खान, सोनू सूद, अजय देवगन और मीका सिंह समेत कई बॉलीवुड सितारे उनकी मदद के लिए आगे आए हैं। अब राजपाल यादव की पत्नी राधा यादव ने सभी का आभार जताया। न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में राधा ने कहा, सबने

राजपाल यादव की दूसरी पत्नी हैं राधा यादव।

उनका साथ दिया है। इंडस्ट्री ने बहुत सपोर्ट किया है। जो भी लोग आगे आकर मदद कर रहे हैं, उन सबको बहुत-बहुत धन्यवाद। सोनू सूद ने X और इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, राजपाल यादव एक बहुत ही प्रतिभाशाली अभिनेता हैं जिन्होंने हमारी फिल्म इंडस्ट्री को कई यादगार और अविस्मरणीय काम दिए हैं। कभी-कभी जिंदगी अन्यायपूर्ण हो जाती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि किसी में टैलेंट की कमी है, बल्कि समय कभी-कभी बहुत कठोर हो सकता है।

सलमान, अजय और मीका सिंह ने भी की मदद

द स्क्रीन से बातचीत में राजपाल यादव के मैनेजर गोल्डी ने कहा था, बुधवार को सलमान खान, अजय देवगन, वरुण धवन और डेविड धवन जैसे कई सेलेब्स ने उनसे संपर्क कर आर्थिक सहायता दी। रतन नैन, वरुण धवन समेत इस बार बहुत लोग आगे आए हैं। राजपाल ने इसके लिए आभार जताया है। जब गोल्डी से पूछा गया कि क्या राजपाल ने तिहाड़ में सरेंडर से पहले मदद मांगी थी, तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार किया। उन्होंने कहा, मैं इस पर कुछ नहीं कहना चाहूंगा।

20 साल बाद पर्दे पर लौटेगी 'मुन्ना भाई और सर्किट' की जोड़ी

डायरेक्टर ने तीसरे पार्ट पर लगा दी मुहर

नई दिल्ली। 23 साल पहले निर्देशक राजकुमार हिरानी की फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस को पहली बार सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त और सर्किट की भूमिका में अरशद वारसी ने अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ी।

आलम ये रहा था कि फिल्म सुपरहिट साबित हुई। अब खबर आ रही है कि मुन्ना भाई की तीसरी किस्त को लेकर मेकर्स ने प्लानिंग शुरू कर दी है। इसकी जानकारी खुद हिरानी ने एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान दी है।

हिंदी सिनेमा में इन दिनों सीक्वल और फ्रेंचाइजी फिल्मों का चलन खूब जोरों पर है। जिसमें मुन्ना भाई फ्रेंचाइजी की नाम भी शामिल है, अब फिल्म के निर्देशक राजकुमार हिरानी ने स्वयं इसकी तीसरी किस्त की पुष्टि करते हुए फिल्म पर ताजा अपडेट भी साझा किया है। इस बारे उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा- फिलहाल मैं मुन्ना भाई फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म और 3 इडियट्स की सीक्वल दोनों ही फिल्मों पर काम कर रहा हूं। मुन्ना भाई को लेकर मेरे दिमाग में एक कहानी थी, जिस पर काफी बड़े स्तर पर काम भी हुआ था, लेकिन मुझे उसका सही अंत नहीं मिला। ऐसे में कभी-कभी आप उस दिन का इंतजार करते हैं, जब आपको सही आइडिया मिल जाए। हमने कहा कि हम इस पर काम करेंगे। एक तीसरी स्क्रिप्ट भी है। मुझे जल्दी ही निर्णय लेना पड़ेगा कि किस राह पर आगे बढ़ना है।

कहा- नया नाम बताओ, तब रिलीज होगी, किसी वर्ग को ऐसे बदनाम नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट का आदेश : बदलें घूसखोर पंडत फिल्म का नाम

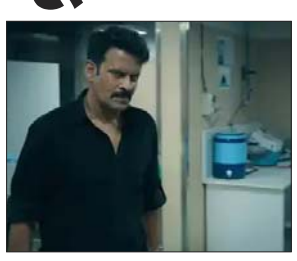

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फिल्म 'घूसखोर पंडत' के टाइटल को लेकर फिल्ममेकर और नेटफ्लिक्स को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि समाज के किसी वर्ग को ऐसे नाम से बदनाम नहीं किया जा सकता।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ब्राह्मण समाज की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान बेंच ने कहा, जब तक फिल्म का बदला हुआ नाम नहीं बताया जाएगा, तब तक इसे रिलीज करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) और फिल्म निर्माता नीरज पांडेय को नोटिस जारी किया है। साथ ही नीरज पांडे से पूछा कि वे फिल्म का नाम बदलकर नया नाम क्या रखना चाहते हैं और अदालत को आज ही इसका जवाब दें।

कोर्ट ने पांडे को यह भी आदेश दिया है कि वह हलफनामा दाखिल करें, जिसमें स्पष्ट किया जाए कि फिल्म घूसखोर पंडत किसी भी सामाजिक वर्ग का अपमान नहीं करती। मामले की अगली सुनवाई 19 फरवरी को होगी।

टीजर के साथ फिल्म के नाम का ऐलान हुआ था

नेटफ्लिक्स ने 3 फरवरी 2026 को मनोज बाजपेयी की 'घूसखोर पंडत' का ऐलान भी टीजर रिलीज करके किया गया था। लेकिन जैसे ही इसका टीजर जारी किया गया तो इसके टाइटल को लेकर विवाद शुरू हो गया है। लोग सड़कों पर उतर गए। इसके बाद यह मामला कोर्ट तक पहुंच गया। टीजर में मनोज बाजपेयी सीनियर इंस्पेक्टर अजय दीक्षित के किरदार में नजर आ रहे हैं, जिन्हें दिल्ली में 'पंडित' के नाम से जाना जाता है। फिल्म में उन्हें एक बदनाम पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है। टीजर के मुताबिक, दीक्षित 20 साल पहले एसआई के रूप में भर्ती हुए थे और अपने किए गए कारनामों की वजह से उन्हें बार-बार डिमोट किया गया।

धुरंधर 2 का आ गया पहला रिव्यू

टीवी की अनुपमा ने देख ली फिल्म

बोला कुछ ऐसा कि मच जाएगी 'खलबली'

नई दिल्ली, एजेंसी

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' की धूम के बाद अब फैंस इसके सेकंड पार्ट का बड़ी ही बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। आदित्य धर के निर्देशन में बनी 'धुरंधरः द रिवेंज' मार्च 2026 में 'टॉक्सिक' के साथ सिनेमाघरों में टक्कर लेगी। स्पाई थ्रिलर फिल्म का ऑडियंस को अभी तक सिर्फ टीजर ही देखना नसीब हुआ है, लेकिन 'अनुपमा' एक्ट्रेस ने तो फिल्म के कई अहम सींस देख लिए हैं और 'धुरंधर 2' का रिव्यू भी कर दिया है। रुपाली गांगुली ने हाल ही में एनडीटीवी को दिए गए एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने 'धुरंधर-2' देख ली है। दरअसल, 'अनुपमा' एक्ट्रेस रुपाली के भाई ने आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' के पहले पार्ट में बतौर कोरियोग्राफर काम किया था। फिल्म के दो गानों 'शरारत' और 'FA9LA' का निर्देशन विजय गांगुली ने ही किया है। जब मेरा भाई विजय फिल्म की कुछ एडिटिंग कर रहा था, उस समय हम वीडियो कॉल पर थे। उसने मुझे 'धुरंधर 2' के कुछ शॉट्स दिखाए। क्या सॉलिड शॉट्स थे। मैंने उससे वह रिवाइंड कराए और दोबारा देखे। हर फ्रेम बहुत ही शानदार था। आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' के पहले पार्ट में जहां कराची के 'लियारी' में गैंगस्टर का नेटवर्क कैसे काम करता है इस बारे में दिखाया गया था, तो वहीं अब स्पाई थ्रिलर फिल्म के इस सेकंड पार्ट में कहानी रणवीर सिंह के किरदार पर फोकस होगी, जो एक इंडियन जासूस है और वह हमजा अली मजारी बनकर पाकिस्तान में घुसता है।

इजराइल ने गाजा में प्रतिबंधित वैक्यूम बम गिराए थे

आरोप

इनसे तापमान 3,500 डिग्री पहुंचा, हजारों इंसान भाप बनकर गायब

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

इजराइल पर गाजा में 'वैक्यूम बम' इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। रिपोर्ट 'द रेस्ट ऑफ द स्टोरी' के मुताबिक, ये बम पहले हवा में ईंधन जैसा एक बादल फैलाते हैं और फिर उसमें आग लगा देते हैं। इससे बहुत बड़ा आग का गोला बनता है और आसपास की हवा खिंचकर एक तरह का जीरो (वैक्यूम) पैदा हो जाता है।

इन धमाकों से तापमान 3,500 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इन बमों में एल्यूमिनियम और मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं, जो कुछ ही सेकेंड में शरीर को जला देते हैं। मिलिट्री एक्सपर्ट्स और चश्मदीदों का भी कहना है कि इजराइल ने वहां ऐसे हथियारों का इस्तेमाल किया, जिन्हें 'वैक्यूम बम', 'थर्मल' या 'थर्मोबैरिक' बम कहा जाता है।

इन हथियारों को एयरोसोल या वैक्यूम बम भी कहा जाता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इनका असर इतना भीषण होता है कि इमारत बाहर से ज्यादा खराब नहीं दिखती, लेकिन अंदर मौजूद हर चीज जलकर राख हो सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमलों में मारे गए कई लोगों के शव तक नहीं मिले। गाजा की सिविल डिफेंस टीम ने 2,842 ऐसे फिलिस्तीनियों का रिकॉर्ड दर्ज किया है, जिनके बारे में कहा गया कि दफनाने के लिए उनका कोई हिस्सा तक नहीं बचा। वहीं 3,500 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की बुधवार को व्हाइट हाउस में मुलाकात हुई। ये बैठक करीब 2 घंटे तक बंद कमरे में चली।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार देर रात ट्रम्प से मुलाकात की।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा- मैंने नेतन्याहू से साफ कहा है कि अमेरिका को ईरान के साथ परमाणु समझौते पर बातचीत जारी रखनी चाहिए।

उन्होंने लिखा कि बैठक बहुत अच्छी रही, लेकिन कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ। ईरान के साथ अच्छा समझौता हो सकता है तो यह बेहतर होगा, लेकिन नहीं हुआ तो आगे क्या करना है, यह देखा जाएगा। ट्रम्प ने यह भी याद दिलाया कि पिछली बार ईरान ने समझौता नहीं किया था, जिसके बाद अमेरिका ने उस पर सैन्य कार्रवाई 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' किया था।

सीजफायर लागू होने के बाद से गाजा में 500 लोगों की मौत

इस वक्त गाजा में औपचारिक सीजफायर लागू है और समझौते के 100 दिन पूरे होने के बाद यह दूसरे चरण में पहुंच चुका है, लेकिन तनाव अभी भी बना हुआ है। 10 अक्टूबर 2025 से अब तक 500 से ज्यादा फिलिस्तीनियों के मारे जाने की खबरें आई हैं।

एक मां, यासमीन महानी, ने अपनी आपबीती सुनाई। 10 अगस्त 2024 को गाजा सिटी के अल-तबिन स्कूल पर हमले के बाद वह अपने बेटे साद को ढूंढ रही थीं।

उन्हें वहां अपने पति तो मिल गए, लेकिन बेटे का कोई निशान नहीं मिला। उन्होंने बताया कि मस्जिद में उन्हें जमीन पर मांस और खून बिखरा मिला, लेकिन दफनाने के लिए बेटे का कोई हिस्सा तक नहीं मिला।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यासमीन जैसी हजारों माताएं आज भी अपने बच्चों को अस्पतालों और मुर्दाघरों में तलाश रही हैं। इस युद्ध में मरने वालों की संख्या 72,000 से ज्यादा बताई जा रही है। मानवाधिकार संगठनों ने इजराइल पर युद्ध अपराधों के आरोप लगाए हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ऐसे बमों का इस्तेमाल घनी आबादी वाले इलाकों में करना बहुत गंभीर मामला है।

आज 'भारत बंद' से बैंकिंग सेवाओं पर असर

5-डे वर्क वीक की मांग को लेकर हड़ताल

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में आज यानी 12 फरवरी को ट्रेड यूनियनों ने 'भारत बंद' बुलाया है। इस कारण परिवहन और अन्य सेवाओं के साथ बैंकिंग सर्विसेज पर भी असर पड़ सकता है।

देश के सबसे बड़े बैंक SBI और यूको बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि वे अपनी शाखाओं में सामान्य कामकाज सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं।

कर्मचारी लंबे समय से '5-डे वर्क वीक' लागू करने की मांग कर रहे हैं। यूनियनों का तर्क है कि काम के बढ़ते दबाव के कारण कर्मचारियों का 'वर्क-लाइफ बैलेंस' बिगड़ रहा है। फिलहाल बैंकों में दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी रहती है। कर्मचारी हर शनिवार छुट्टी चाहते हैं।

हड़ताल की एक और वजह केंद्र सरकार के 4 नए लेबर कोड हैं। यूनियनों का कहना है कि ये कोड

29 पुराने श्रम कानूनों की जगह लेंगे। इससे कर्मचारियों के अधिकारों में कटौती होगी। इसमें ट्रेड यूनियन रजिस्ट्रेशन की बहुत कठिन शर्तें रखी गई हैं।

आजकल ज्यादातर बैंकिंग काम ऑनलाइन या मोबाइल एप के जरिए हो जाते हैं, लेकिन कई सर्विसेज के लिए ग्राहकों को फिजिकल तौर पर ब्रांच जाना पड़ता है।

बैंकों ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे फंड ट्रांसफर, बिल पेमेंट और अकाउंट मॉनिटरिंग जैसे कामों के लिए नेट बैंकिंग और मोबाइल एप का इस्तेमाल करें।

फास्ट न्यूज

एपस्टीन फाइलों पर घिरीं अमेरिकी अटॉर्नी जनरल

नई दिल्ली। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने एपस्टीन फाइलों के प्रबंधन और व्हाइट हाउस में उनके वितरण को लेकर सदन की न्यायपालिका समिति के सामने गवाही दी। इस दौरान अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ने एपस्टीन पीड़ितों के प्रत संवेदना व्यक्त करते हुए माफी मांगी है। दरअसल, अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप का बचाव किया।

सेंसेक्स 559 अंक गिरकर 83,675 पर बंद

मुंबई । शेयर बाजार में आज यानी 12 फरवरी को गिरावट रही। सेंसेक्स 558 अंक नीचे 83,675 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 147 अंक की गिरावट रही, ये 25,807 पर बंद हुआ।

आईटी, मीडिया और रियल्टी शेयरों में ज्यादा बिकवाली रही। निफ्टी IT इंडेक्स 5.51% नीचे बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट रही। वहीं निफ्टी-50 शेयरों में से 30 में बिकवाली रही। केंद्र सरकार की महारत्न कंपनी बीएचईएल का 'ऑफर फॉर सेल' आज 12 फरवरी से रिटेल निवेशकों के लिए खुल गया है।

तुर्किए की संसद बन गई 'अखाड़ा'

नई दिल्ली। तुर्किए की संसद में बुधवार को मारपीट की नौबत आ गई। सदन में ही लात-घुसे चलने लगे और पूरे सदन में अफरा-तफरी मच गया। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन ने विवादास्पद व्यक्ति अकिन गुरलेक को न्याय मंत्री नियुक्त किया था। इसी से नाराज विपक्षी सांसदों ने गुरलेक को शपथ दिलाने से रोकने की कोशिश की। इसके बाद सत्ताधारी पार्टी के सदस्यों ने उन्हें घेर लिया और झड़प शुरू हो गई।

चांदी आज 5,835 गिरी, कीमत 2.61 लाख किलो हुई

सोना 1,175 गिरकर 1.56 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज 12 फरवरी को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 5,835 रुपए कम होकर 2,60,614 रुपए पर आ गई है। इससे पहले बुधवार को चांदी की कीमत 2,66,449 रुपए किलो थी।

वहीं, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,175 रुपए गिरकर 1,56,147 रुपए पर आ गई है। इससे पहले बुधवार को ये 1,57,322 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सर्राफा बाजार में 29 जनवरी को सोने ने 1,76,121 रुपए और चांदी ने 3,85,933 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

इस साल अब तक सोने की कीमत 22,952 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,56,147 रुपए हो गया है।

वहीं, चांदी 30,194 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 2,60,614 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है। 2025 में सोना 57 हजार रुपए (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी इस दौरान 1.44 लाख रुपए (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86,017 रुपए की थी, जो साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

ईरान से तनाव के बीच मिसाइलों को ट्रकों पर तैनात किया, सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में सैन्य तैनाती बढ़ाई

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

ईरान से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में सैन्य तैनाती बढ़ा दी है। सैटेलाइट तस्वीरों में सामने आया है कि कतर के अल-उदीद बेस पर पैट्रियट मिसाइल सिस्टम को स्थायी लॉन्चर की जगह ट्रकों पर तैनात किया गया है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक अलग-अलग बेस पर विमानों और सैन्य उपकरणों की संख्या भी बढ़ी है। यह बदलाव जनवरी के बाद क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच हुआ है।

फोरेंसिक इमेजरी एनालिस्ट विलियम गुडहाइंड के मुताबिक, जनवरी की तुलना में फरवरी की सैटेलाइट तस्वीरों में क्षेत्र में सैन्य गतिविधि बढ़ी हुई नजर आ रही है।

उन्होंने बताया कि फरवरी की शुरुआत में अल-उदीद बेस पर पैट्रियट मिसाइलें ट्रकों पर लगी नजर आईं।

उनके अनुसार, मिसाइलों को ट्रकों पर रखने से उन्हें जल्दी एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है या हमले की स्थिति में नई पोजिशन पर तैनात किया जा सकता है। कतर के अल-उदीद बेस पर 1 फरवरी की तस्वीरों में एक RC-135 रीकॉनिसेंस विमान, तीन C-130 हरक्यूलिस, 18 KC-135 स्ट्रैटो टैंकर और सात C-17 विमान दिखे।

17 जनवरी की तस्वीरों में यहां 14 स्ट्रैटो टैंकर और दो C-17 थे। यानी कुछ ही हफ्तों में टैंकर और ट्रांसपोर्ट विमानों की संख्या बढ़ी है। इसके अलावा, अधिकतम 10 MIM-104 पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम HEMTT ट्रकों पर खड़े दिखाई दिए। जॉर्डन के मुवाफ्फक बेस पर 2 फरवरी की तस्वीरों में 17 F-15E स्ट्राइक विमान, 8 A-10 थंडरबोल्ट, चार C-130 और चार हेलीकॉप्टर नजर आए।

सऊदी, डिएगो गार्सिया और ओमान में भी हलचल

सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान बेस पर 2 फरवरी को एक C-5 गैलेक्सी और एक C-17 विमान दिखाई दिए। 6 दिसंबर की तस्वीरों में यहां पांच विमान थे, जो C-130 जैसे दिख रहे थे। 6 फरवरी की तस्वीरों में हिंद महासागर के डिएगो गार्सिया बेस पर 31 जनवरी की तुलना में सात ज्यादा विमान दिखे। ओमान के दुकान बेस पर 25 जनवरी और 10 फरवरी की तस्वीरों में भी विमानों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

अमेरिका ने अरब सागर में युद्धपौत तैनात किए

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी और मजबूत करते हुए अरब सागर और लाल सागर में विमानवाहक पोत USS अब्राहम लिंकन, USS थियोडोर रूजवेल्ट और कई मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत तैनात किए हैं। अमेरिका अब ईरान के परमाणु ठिकानों, सैन्य अड्डों व कमांड सेंटरों पर समुद्र और आसमान दोनों से हमले की स्थिति में आ गया है।

ट्रम्प पहले ही ईरान को चेतावनी दे चुके

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमको लेकर पहले ही बमबारी की चेतावनी दे चुके हैं। हालांकि तनाव कम करने के लिए दोनों पक्षों के बातचीत जारी है।

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा है कि अगर उसके क्षेत्र पर हमला हुआ तो वह किसी भी अमेरिकी बेस को निशाना बना सकती है। मिडिल-ईस्ट में इराक, जॉर्डन, कुवैत, सऊदी अरब, कतर, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और तुर्की में अमेरिका के सैन्य अड्डे मौजूद हैं।

2 हफ्ते में पूरा होगा 6 महीने का काम, नई तकनीक के कारण चर्चा में

दुबई में 3डी प्रिंटिंग से बनेगा दुनिया का पहला लग्जरी विला

नई दिल्ली, एजेंसी

दुबई एक बार फिर नई तकनीक के कारण चर्चा में है। यहां दुनिया का पहला ऐसा लग्जरी विला बनाया जा रहा है, जिसे रोबोटिक 3D प्रिंटिंग तकनीक से तैयार किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट की अगुवाई 'मिडिल ईस्ट कंपोजिट्स' कंपनी कर रही है।

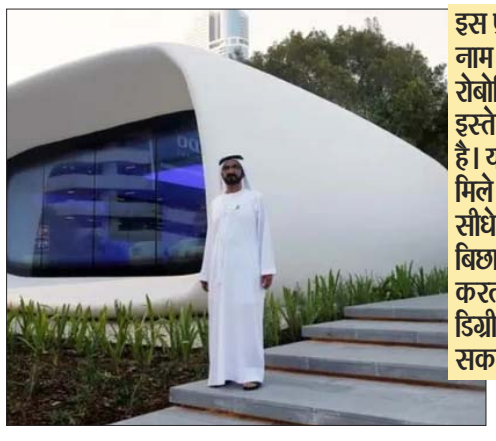

इस प्रोजेक्ट में 'काउच' नाम की 3-एक्सिस रोबोटिक आर्म का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह रोबोट कंप्यूटर से मिले डेटा के आधार पर सीधे कॉन्क्रीट की परतें बिछाकर दीवारें तैयार करता है। ह मशीन 360 डिग्री घूमकर काम कर सकती है।

यह विला पारंपरिक निर्माण तरीके से अलग होगा, क्योंकि इसमें मजदूरों की जगह डिजिटल मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह परियोजना दुबई की '3D प्रिंटिंग स्ट्रैटजी 2030' के तहत विकसित की जा रही है। इस योजना का लक्ष्य निर्माण कार्य में लगने वाले समय को 80 प्रतिशत तक कम करना है। इसमें खास तरह का 'प्रिंटिंग मोर्टार' यानी तेजी से सूखने वाला कॉन्क्रीट इस्तेमाल किया जाता है। इसकी मदद से बिना किसी अतिरिक्त सहारे के घुमावदार और जटिल दीवारें बनाई जा सकती हैं। सबसे खास बात यह है कि रोबोट 24 घंटे लगातार काम कर सकता है, जिससे निर्माण प्रक्रिया में रुकावट नहीं आती।

6 महीने का काम सिर्फ 2 हफ्तों में

जहां पारंपरिक तरीके से किसी ढांचे को बनाने में करीब 6 महीने लग जाते थे, वहीं इस 3डी प्रिंटिंग तकनीक से वही काम सिर्फ 2 हफ्तों में पूरा किया जा रहा है। इस तकनीक के जरिए समय की बचत के साथ-साथ निर्माण प्रक्रिया भी अधिक व्यवस्थित हो रही है। डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग के इस्तेमाल से मानव श्रम की जरूरत कम हो गई है और काम ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इलॉन मस्क की एआई कंपनी चांद पर फैक्ट्री लगाएगी

साल के अंत तक कोडिंग की जरूरत खत्म होगी मस्क ने बताया एक्सएआई का पूरा प्लान

वॉशिंगटन, एजेंसी

दुनिया के सबसे अमीर इंसान इलॉन मस्क चांद पर AI सैटेलाइट फैक्ट्री लगाएंगे। मस्क ने बताया कि वे इसके जरिए सूरज की ऊर्जा कैप्चर करना चाहते हैं। मस्क ने अपनी AI कंपनी XAI की इंटरनल मीटिंग का 45 मिनट का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ये जानकारी सामने आई है।

मस्क ने कहा अगर हम आज की मानव सभ्यता की ऊर्जा खपत को देखें, तो हम पृथ्वी की संभावित ऊर्जा का केवल 1% हिस्सा ही इस्तेमाल कर रहे हैं।

अगर हम सूरज की कुल ऊर्जा का 10 लाखवां हिस्सा भी हासिल कर लें, तो वह आज की सभ्यता द्वारा उपयोग की जाने वाली ऊर्जा से करीब 10 लाख गुना ज्यादा होगी।

सूरज हमारे सौर मंडल के कुल द्रव्यमान का 99.8% है। अगर हमें सूरज की ऊर्जा का सही इस्तेमाल

करना है, तो हमें पृथ्वी की सीमा से बाहर निकलना ही होगा।

हमारा अगला कदम 'अर्थ ऑर्बिटल डेटा सेंटर्स' है। हम स्पेसएक्स की मदद से हर साल 100 से 200 गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर्स अंतरिक्ष में लॉन्च करेंगे।

उन्होंने कहा अगर हमें 1 टेरावॉट से भी आगे जाना है, तो चांद पर जाना होगा। मस्क ने बताया वे चांद पर ऐसी फैक्ट्रियां बनाएंगे जो एआई सैटेलाइट्स तैयार करेंगी।

वहां एक 'मास ड्राइवर' भी लगाया जाएगा। यह चांद से एआई सैटेलाइट्स को सीधे डीप स्पेस में लॉन्च करेगा। इससे हम सूरज की ऊर्जा के कुछ प्रतिशत हिस्से तक पहुंच पाएंगे। मस्क का विजन असल में 'डाइसन स्फीयर' के कॉन्सेप्ट पर आधारित है। यह एक ऐसा विशाल ढांचा होता है जो ऊर्जा को कैप्चर करने के लिए पूरे सूरज को चारों तरफ से ढक लेता है। मस्क चांद पर 'मास ड्राइवर' के जरिए जो एआई सैटेलाइट्स भेजेंगे, वे धीरे-धीरे सूरज के चारों ओर ऐसा ही एक जाल या घेरा बनाएंगे। इससे हमारे पास इतनी बिजली होगी कि हम पूरे सौर मंडल में कहीं भी इंसानी बस्तियां बसा सकेंगे और बड़े से बड़े स्पेसशिप चला सकेंगे।

घोषणा : गूगल ने एआई को लेकर कर्मचारियों को दिया अल्टीमेटम, यह एक साल में गूगल की तीसरी योजना

'तकनीक अपनाएं या सम्मान के साथ कंपनी छोड़ें'

नई दिल्ली, एजेंसी

तकनीकी जगत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बढ़ते प्रभुत्व के कारण लगातार हो रहे बदलाव बीच गूगल ने अपने वैश्विक व्यापार संगठन (GBO) के कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक निकास पैकेज (VEP) के एक नए दौर की घोषणा की है।

दरअसल, गूगल के मुख्य व्यापार अधिकारी, फिलिप शेंडलर ने स्पष्ट किया है कि कि कर्मचारी को एआई मिशन के साथ पूरी तरह जोड़ना होगा, कंपनी अब केवल उन पेशेवरों के साथ आगे बढ़ना चाहती है जो गूगल के 'AI-प्रथम' मिशन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

वहीं, ऐसे कर्मचारियों जो खुद को तेज रफ्तार माहौल में नहीं ढाल पा रहे हैं, उन्हें सम्मानजनक तरीके से कंपनी छोड़ने का मौका दिया जा रहा है। यह एक साल के भीतर गूगल की तीसरी ऐसी योजना है, जो दर्शाती है कि कंपनी बिना जबरन छंटनी के अपने कार्यबल को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप ढालने की कोशिश कर रही है।

फिलिप शेंडलर कहा कि ऐसे कर्मचारी जो काम में रूचि नहीं ले रहे हैं, उनके लिए कंपनी एक ऐसा विकल्प प्रदान कर रही है जिसमें छंटनी के बदले मुआवजा दिया जाएगा।

इसके अलावा, शेंडलर ने कहा कि अमेरिका की बड़ी ग्राहक बिक्री टीमें और ग्राहक-उन्मुख अन्य भूमिकाएं निभाने वाले कर्मचारियों को इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा।

स्वेच्छा से कंपनी छोड़ने का निर्देश

बिजनेस इनसाइडर के अनुसार, गूगल के मुख्य व्यवसाय अधिकारी फिलिप शेंडलर ने एक आंतरिक ज्ञापन में कहा कि वैश्विक व्यापार संगठन (जीबीओ) इकाई के कुछ कर्मचारी स्वैच्छिक रूप से कंपनी छोड़ने का विकल्प चुन सकते हैं। फिलिप शेंडलर ने ज्ञापन में लिखा, आपने 2025 में जो कुछ भी हासिल किया, उसके बदौलत हम साल की शुरुआत एक मजबूत स्थिति में कर रहे हैं। लेकिन खेल गतिशील है, गति बहुत तीव्र है और दांव बहुत ऊंचे हैं।

- गूगल ने कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक निकास पैकेज की घोषणा की
- कंपनी का लक्ष्य 'एआई-प्रथम' मिशन के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ाना

एआई-फर्स्ट पर फोकस

गूगल के अधिकारी फिलिप शेंडलर ने स्पष्ट किया है कि सभी कर्मचारियों को एआई (AI-फर्स्ट) को पूरी तरह से अपनाकर और भी अधिक प्रभाव डालने की आवश्यकता है। गूगल की ओर से सीधे तौर पर यह अल्टीमेटम उन कर्मचारियों को दिया गया है, जो गूगल के तेजी से AI के बढ़ते प्रभुत्व के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं।

बीएचईएल का ओएफएस रिटेल निवेशकों के लिए खुला

मुंबई, एजेंसी

केंद्र सरकार की महारत्न कंपनी बीएचईएल का 'ऑफर फॉर सेल' आज 12 फरवरी से रिटेल निवेशकों के लिए खुल गया है। सरकार इसके जरिए कंपनी में अपनी 3% हिस्सेदारी बेच रही है। इसमें ग्रीनशू ऑप्शन के जरिए 2% अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचने का विकल्प भी रखा गया है। इसके लिए 254 प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया है। जब सरकार ने इस OFS का ऐलान किया था, तब फ्लोर प्राइस (254) बाजार भाव (करीब 276) से 8% कम था। लेकिन ऐलान के बाद BHEL के शेयरों में भारी गिरावट आई और यह 260 के करीब आ गया। इस गिरावट की वजह से अब निवेशकों को मिलने वाला डिस्काउंट घटकर 2-3% रह गया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि डिस्काउंट कम होने से निवेशकों के लिए यह सौदा अब उतना आकर्षक नहीं रहा जितना पहले लग रहा था। हालांकि अब भी इसमें निवेश किया

जा सकता है। ब्रोकरेज फर्म JM फाइनेंशियल ने मध्यम अवधि के लिए 355 का टारगेट दिया है। तर्क है कि भारत को 2047 तक अपनी थर्मल क्षमता को 340 GW तक ले जाना है। BHEL के पास फिलहाल 2.23 लाख करोड़ रुपए के ऑर्डर हैं, जो भविष्य में अच्छी कमाई का संकेत देते हैं। थर्मल पावर के अलावा, BHEL न्यूक्लियर एनर्जी और कोल गैसीफिकेशन (कोयले से गैस बनाना) के क्षेत्र में भी काम कर रही है। भारत ने 2047 तक न्यूक्लियर क्षमता को 8.8 GW से बढ़ाकर 100 GW करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें BHEL इकलौती घरेलू टर्बाइन मेकर है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96